अनुबंध - 4

मंत्रालय/विभाग का नाम : पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

परिव्यय और परिणामों/लक्ष्यों (2013-14) का विवरण

(करोड़ रूपए में)

क्र.सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ परिणाम	प्रस्तावित परिव्यय (2013-14)	मात्रात्मक संख्या	प्रक्रिया/समयबद्धता	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1	पशु स्वास्थ्य योजना निदेशालय के एवियन इंफ्लूएंजा के लिएवाह्य सहायता घटक।	एवियन इंफ्लूएंजा का नियंत्रण और निराकरण।	0.00		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	छोड़ दी गई।
2	पशुधन संगणना	सभी प्रकार के स्वदेशी पशुओं, कुक्कुट पक्षियों, कृषि औजारों एवं मात्स्यिकी सांख्यिकियों पर सूचना प्रदान करना।	155.42	1. गॉव में कराए गए संकरणवाइज संगणना का 15 प्रतिशत नमूना 2. रिपोर्ट लेखन और प्रकाशन	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

3	एकीकृत नमूना सर्वेक्षण	सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में नमूना सर्वेक्षण के जरिए दूध, अंडा, ऊंन, मीट जैसे महत्वपूर्ण पशुधन उत्पादों का अनुमान।	27.00	1. वर्ष 2011-12 के प्रमुख पशुधन उत्पादों के अनुमान को अंतिम रूंप देना। 2. वर्ष 2012-13 के लिए पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग द्वारा राज्य/संघ शासित प्रदेशों के प्रमुख पशुधन उत्पादों का डाटा एकत्र करना। 3. देश भर में कराए गए नमूना सर्वेक्षण के आधार पर प्रमुख पशुधन उत्पाद के आकलन सहित मौलिक पशुपालन सांख्यिकी का द्विवार्षिक प्रकाशन। 4. देश भर में कराए गए नमूना सर्वेक्षण के आधार पर प्रमुख पशुधन उत्पाद के आकलन सहित मौलिक पशुपालन सांख्यिकी का वार्षिक प्रकाशन।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
4	केन्द्रीय गोपशु विकास संगठन	आनुवांशिक रूंप से बेहतर नस्ल के सांड बछड़ों, अच्छे गुणवत्ता वाले हिमित वीर्य उत्पादन, गोपशु के उत्तम जर्मप्लाज्म के स्थान का पता लगाना इत्यादि।	29.65	i. सांड बछड़ों का उत्पादन = 400 ii. हिमित वीर्य खुराकों का उत्पादन और वितरण = 13.00 लाख iii.व्यक्तियों का प्रशिक्षण (संख्या) = 210 iv.पशुओं का प्रारंभिक पंजीकरण (संख्या) = 13000	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
5	पशु स्वास्थ्य निदेशालय	i)ए.क्यू.सी.एस पशुधन आयात और पशुधन आयातों को नियमित करके देश में पशुधन रोगों के प्रवेश से रोकना। पशुधन और पशुधन उत्पाद के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नियम के अनुसार निर्यात स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करना, जो भारत से निर्यात किया जाता है। ii) सी.डी.डी.एल./आर.डी.डी.एल.-	23.00	i) (क) पशुधन रोगों के प्रवेश को रोकने के लिए पशुधन और पशुधन उत्पादों का परीक्षण। (ख) बैंगलोर और हैदराबाद में स्थिर 2 नये संगरोध केन्द्रों के लिए निर्माण कार्य आरम्भ किया जाना है। ii) सीडीडीएल/आरडीडीएल - मांग आधारित नैदानिक रोग चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता। iii) पशु चिकित्सा जैविकी मांग आधारित	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

		राज्यों/क्षेत्रों में नैदानिक क्षेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना। iii) एन.ए. एच. - मांग आधारित सुरक्षा की उपलब्धता और पशुचिकित्सा जैविकीयों की क्षमता परीक्षण।		सुरक्षा और पोटेंसी का परीक्षण		
6	खाद्य सुरक्षा और उनकी पहचान (नई योजना)	मूल उत्पादन स्तर पर पशुजन खाद्य सुरक्षा में आत्मविश्वास का सृजन	5.00	जानवर पहचान के लिए एफएओ को विकासशील तकनीकी के लिए निधि दी गई है एफएओ ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है योजना के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त नहीं है।एफएओ से पुनः रिपोर्ट भेजने का अनुरोध किया गया है ताकि एक या दो राज्यों में पायलट परीक्षण किया जा सके। .	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
7	दिल्ली दुग्ध योजना	उपभोक्ताओं को गुणवत्ता दुग्ध और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति करना।	25.00		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
8	डेयरी पूंजीगत ऊधम कोष/डेयरी उद्यमकर्ता विकास निधि	डेयरी क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देकर स्वरोजगार का सृजन करके दूध उत्पादन को बढ़ाना	600.00	1. योजना मांग आधारित है और नाबार्ड के माध्यम से क्रियान्वित	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

9	राष्ट्रीय डेयरी योजना	1. दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढाना और इसके लिए दूध की बढती मांग को पूरा करने के लिए दूध करा उत्पादन बढाना। 2. संगठित दूध प्रसंस्करण क्षेत्रों में ग्रामीण दूध उत्पादकों को अधिक संख्या में पहुंचाना।	260.00	एनडीपी 1, इआईएएस की निश्चित योग्यता मानदंड के लिए मांगआधारित योजना है। यह अनुमान लगाया गया है कि विभिन्न क्रियाओं के लिए 60 नई उपपरियोजनाएं वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुमोदित और क्रियान्वित की जाएंगी।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
10	मात्स्यिकी क्षेत्र में डाटाबेस और भोगोलिक सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	मात्स्यिकी सांख्यिकी के गुणवत्ता आकलन के संबंध में डाटाबेस के विकास और रख-रखाव के लिए राज्यों को सुदृढ़ करना	6.50	i. अंतर्देशीय और समुद्री मात्स्यिकी का कैच विश्लेषण सर्वेक्षण - सभी राज्य ii. अंतर्देशीय जल निकायों के जीआईएस का विकास - सभी राज्य/ संघ शासित प्रदेश iii. समुद्री मात्स्यिकी संगणना - सभी राज्य 4. छोटे जलनिकायों की मैपिंग और जीआइएस आधारित मात्स्यिकी प्रबंधन प्रणाली का विकास – सभी राज्य	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
11	मुछुआरा संस्थानों को सहायता		80.21		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(क)केन्द्रीय मात्स्यिकी नौचालन तथा इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान	तटीय स्थापनाओं के लिए तकनीशियनों और मत्स्यन जलयानों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित चालकों को उपलब्ध कराना।	26.31	i.प्रशिक्षित अभ्यार्थी/व्यक्ति = 925 ii. समुद्र में दिन = 500 दिन iii. मत्स्यन प्रयास = 1,500 घंटे iv. संस्थागत प्रशिक्षण दिवस = 3000 दिन v. पोस्ट संस्थागत प्रशिक्षु दिवस = 4200 दिन	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

	(ख) राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी संस्थान	मछली के गैर परंपरागत किस्मों का प्रसंस्करण, प्रचार और जांच विपणन	2.35	i. प्रसंस्कृत मछली की मात्रा (मी.ट.)=150 ii. विपणित मछली उत्पादों की मात्रा (मी.ट.)= 100 iii. प्रशिक्षण दिवसों की संख्या= 8000 iv. विकसित उत्पाद=100 मी0 टन v प्रिशक्षित प्रशिक्षुओं की सं0 500	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(ग) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण तथा विश्लेषण	51.55	i. जलयानों द्वारा मत्स्यन दिवसों की संख्या=2,000 ii. बाटम और मिड वाटर ट्रालिंग के लिए नमूना घंटे= 5,300 iii. टूना लांग लाइनिंग के लिए संचालित हुकों की संख्या= 4,00,000 iv. ट्रैप मत्स्यन=1600 v. हैंडलाइन मत्स्यन=3840 vi. बोटम सैट वर्टिकल लाइन=18000 vii. क्रूज के दौरान दिवस=2400 viii. यात्रा की संख्या=130	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(घ)केन्द्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजीनियरिंग संस्थान	मत्स्यन बंदरगाहों और खाराजल जल फार्मों के विकास के लिए तकनीकी- आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन करना।		i. मात्स्यिकी बंदरगाह स्थानों की जांच करना= 2 ii. मात्स्यिकी बंदरगाहों के लिए टीइएफआर की तैयारी= 2	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
12	राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड	मत्स्यन उत्पादों के उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन में सुधार लाने के उद्देश्य से मात्स्यिकी और जलकृषि से संबंधित सभी क्रियाकलापों को एक छत्र के अंतर्गत लाना।	144.00	i. तालाबों का निर्माण = 1,000है0 ii. मत्स्य हैचरियां = 60 iii. गोव मत्स्य एवं हेचरी का नवीकरण 50 है0 iv. मत्स्य बीज पालन फार्म 350 है0 v. प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या 5000 vi. मत्स्य ड्रेसिंग केन्द्रों की स्थापना = 2 vii. घरेलू हैचरियों/जलग्रह युनिटों की स्थापना 1000	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

13	सचिवलाय एवं आर्थिक सेवाएं		7.00		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
14	पशु चिकित्सालय ड्रग नियंत्रण प्राधिकरण की स्थापना		0.01	नई योजना		
15	पशु चिकित्सा कॉलेजों की बुनियादी संरचना का उन्नयन/ सुदृढ़ीकरण		0.01	नई योजना		एलएचऔरडीसी के अन्तर्गत विलय
16	केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म	वर्ण संकरण तथा आनुवांशिक उन्नयन के लिए विभिन्न राज्यों के भेड़ फार्मों को अनुकूलित स्टड भेड़ों का उत्पादन एवं प्रचार-प्रसार।	2.20	i. मृग और मेढ़ों का वितरण =900,80 ii.भेड़ पालन तथा अन्य क्रियाकलापों संबंधी प्रशिक्षण (संख्या) = 800	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में विलय के लिए प्रस्तावित

17	केन्द्रीय चारा विकास संगठन	उच्च पैदावार वाली किस्मों के चारा फसलों को बढ़ाना मिनिकिटों का वितरण, बीज उत्पादन, प्रशिक्षण, चारा प्रदर्शन	25.78	i)चारा बीज उत्पादन(टन)=275 ii) प्रदर्शन (संख्या)= 8000 iii)मिनिकिटों का वितरण (लाख)=0.5 iv)फील्डदिवस/कृषक मेले(संख्या)= 96 v)प्रशिक्षण (संख्या)=96	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में विलय के लिए प्रस्तावित
18	केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन	गुणवत्ता चूजे उपलब्ध कराना, टर्की, फाउल, बतख इत्यादि जैसी अन्य प्रजातियों का विविधीकरण, प्रशिक्षकों/कृषकों का प्रशिक्षण, यादृच्छिक नमूना परीक्षण।	20.00	i) आपूर्ति किए गए पैरेंट स्टॉक चिक (000 में)= 70 ii) चिकन/बत्तख हैचिंग अण्डे= (000 में) 375 iii) बतख चूजों का उत्पादन(000 में)= 100 iv) आहार नमूना का विश्लेषण (संख्या में)= 2000 v) प्रशिक्षित व्यक्ति (संख्या में)= 1000 vi) यादृच्छिक नमूना परीक्षण= (संख्या में) लेअर - 1 ब्रायलर – 2 vii) आपूर्ति की गई वाणिज्यिक चूजे (000 में)= 800 viii) जेक्वइल जी0 क्वूईल/जी फाउल/टर्की (000 में)=100	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में विलय के लिए प्रस्तावित
19	छोटे जुगाली करने वाले पशुओं और खरगोशों का एकीकृत विकास।	आनुवंशिक उन्नयन, स्वास्थ्य कवर और विपणन पर ध्यान देते हुए छोटे जुगाली करने वाले पशुओं का विकास।	20.00	i. पूंजीगत उद्यमकोष के अन्तर्गत कृषकों का प्रशिक्षण = 5000 ii. कृषक संगठन (एसएचजी) और कृषक संगठन गठित करना 4000 iii. वाणिज्यिक यूनिट स्थापित करना = 1800 iv प्राइवेट फार्म 80 v खरगोश वाणिज्यिक यूनिट 300 vi संस्थागत पुन:रचना 4	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में विलय के लिए प्रस्तावित

20	सूअर विकास	i. वैज्ञानिक तरीके अपनाकर एवं बुनियादी सुविधायें देकर सूअरों को वाणिज्यिक स्तर पर पालन के लिए प्रोत्साहन देना। ii. बेहतर जर्म प्लाज्म का उत्पादन और आपूर्ति। iii. वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए पण्यधारी को संगठित करना। iv. मीट उद्योगों के लिए चेन आपूर्ति सृजित करना। v. बेहतर आय के लिए मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करना।	12.00	i. सुअर प्रजनन फार्म (20 मादा+ 4 नर) = 200 संख्या ii. सुअर पालन एकक (3 मादा + 1 नर) = 3000 संख्या iii. फुटकर बिक्री केन्द्र = 60 संख्या iv. लाइव मार्किट की सुविधा = 120 संख्या	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल
21	नर भैंस बछड़ों को बचाना और उन्हें पालना	i. मीट उत्पादन के लिए नर भैंस बछड़ों का बचाना और पालना। ii. निर्यात और स्वदेशी बाजार के लिए भैंस मीट की उपलब्धता को बढ़ाना। iii. चमड़ा उद्योग के लिए कच्चे माल के आधार को बढ़ाना। iv. मीट के उपोत्पादों और बोन, टेलो, जैव उर्वरक, ब्रुश, कंघी, बटन इत्यादि की उपलब्धता को बेहतर बनाना। v. भैंस मीट और चमड़ा निर्यात के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जन को सुधारना। vi. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार अवसरों को बढ़ाना	0.01	i. व्यक्तिगत यूनिट 1-9 बछड़े (0.50 लाख संख्या) ii. वाणिज्यिक यूनिट (10-50 बछड़े) 500 संख्या iii. औद्योगिक यूनिट (कम से कम 1000 बछड़े) 20 संख्या	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित

22	कुक्कुट उद्यम पूंजीगत कोष		40.00	मांग आधारित	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
23	राष्ट्रीय मछुआरा कल्याण कार्यक्रम	आधुनिक मछुआरा गांवों का विकास' सक्रिय मछुआरों के लिए सामूहिक दुर्धटना बीमा इत्यादि।	70.00	i. बीमा योजना के अंतर्गत शामिल मछुआरों की संख्या= 42लाख ii. मछुआरों के लिए घरों का निर्माण= 6000 iii. बचत-सह-राहत योजना के अंतर्गत शामिल मछुआरों की संख्या= 41 लाख	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
24	केरल राज्य के इदुकी जिले के लिए विशेष पशुधन क्षेत्र और मात्स्यिकी पेकेज		35.00		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
25	कुक्कुट विकास		90.00			
	(1)राज्य कुक्कुट/बत्त ख फार्मों को सहायता	ग्रामीण घरेलू कुक्कुट के लिए कम आदान वाले प्रौद्योगिकी वाले चूजों का उत्पादन एवं आपूर्ति करना और इस संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करना भी	30.00	i. सहायता किए जाने वाले फार्मों की संख्या = 8	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
	(2) ग्रामीण घरेलू कुक्कुट का विकास	पौषणिक स्थिति तथा सहायक आय में वृद्धि लाने के लिए ग्रामीण घरेलू कुक्कुट का संवर्द्धन एवं सामूहिक प्रयास के जरिए बेहतर सम्पर्क तैयार करना।	52.00	i. लाभार्थियों की संख्या: 0..50 लाख	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

	(iii) कुक्कुट सम्पदा की स्थापना		8.00	i. कुक्कुट सम्पदा की संख्या: शून्य	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
25	मृत पशुओं की उपयोगिता	i. पर्यावरण प्रदूषण और पशुधन रोगों के प्रकोप को रोकना। ii. पशु शव एकत्रीकरण, फ्लेयिंग और उप उत्पाद प्रसंस्करण से जुड़े गरीब ग्रामीणों को रोजगार अवसर प्रदान करना। iii. समय पर खरीद, बेहतर रखरखाव और ढुलाई के जरिए बेहतर खाल एवं चमड़ा का उत्पादन। iv. सिविल तथा रक्षा विमानों को पक्षियों से टकराने से बचाना।	0.05	i. उपयोगिता यूनिट = माडल-1(3 संख्या) ii उपयोगिता यूनिट = माडल-2(2 संख्या) iii. बोन क्रशिंग यूनिट = (11 संख्या)	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
26	विलुप्तप्राय पशुधन नस्लों का संरक्षण	पशुधन की विलुप्तप्राय नस्लों का संरक्षण।	1.35	i. सहायता प्रदान की गई प्रजनकों/ कृषक संघों/ सहकारिताओं/ गैर सरकारी संगठनों की संख्या = 4 ii. संबंधित प्रजनन श्रेणी में चुने गए तथा रखे गए विभिन्न विलुप्तप्राय नस्लों के अंतर्गत पशुओं की संख्या = 500	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित

27	चारा विकास के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजना	आहार और चारा विकास में राज्यों के प्रयासों के लिए सहायता	191.00	i. स्थापना आहार ब्लॉक निर्माण यूनिटों की संख्या = 5 ii.चारागाह विकास = 1600 हैक्टेयर iii. चारा बीज उत्पादन एवं वितरण = 20000 क्विंटल iv. आहार परीक्षण प्रयोगशाला का सुदृढ़ीकरण = 4 संख्या v. हाथ से चलने वाली चारा कटाई की शुरूंआत = 45,000 संख्या vi. बिजली से चलने वाली चारा कटाई की शुरूंआत= 1500 संख्या vii. साइलेज बनाने वाले यूनिटों की स्थापना = 300 संख्या viii.अजौला की खेती और उत्पादन यूनिटों का प्रदर्शन = 13950 ix. बाईपास प्रोटीन उत्पादन यूनिटों की स्थापना = 2 संख्या x. क्षेत्र विशिष्ट खनिज/आहार पैलेटिंग/आहार उत्पादन यूनिटों की स्थापना = 15 संख्या	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
28	पशुधन बीमा	कृषकों और गोपशु पालकों को मृत्यु के कारण उनके पशुओं को हुई हानि के लिए सुरक्षा प्रदान करना, पशुधन के बीमा के लाभ के बारे में प्रदर्शन करना, और पशुधन और उनके उत्पादों में गुणवत्ता सुधार को प्राप्त करने की अंतिम उद्देश्य के साथ इसे लोकप्रिय बनाना।	130.00	1. 8.00 लाख स्वदेशी/वर्ण संकरित दूधारु पशुओं तथा भैंसों को बीमाकृत करना।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित

29	पशुधन विस्तार एवं सुपुर्दगी सेवाएं		0.04		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
30	ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना/आधुनिकीकरण	i. पशुधन के वध की नई प्रणाली स्थापित करना। ii.ऐसे बूचड़खानों की स्थापना जिन्हें 50,000 से कम जनसंख्या वाले ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में प्राइवेट उद्यमियों द्वारा प्रचालित किया जा सके। iii. ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों के मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करना जिससे कि उप उत्पादों की सुचारू उपयोगिता से पशुधन मालिको को बेहतर आय मिल सके। iv. कोल्ड चेन नेटवर्क स्थापित करते हुए और वाणिज्यिक आधार पर वितरण द्वारा बूचडखाने से उपभोक्ता के टेबल तक स्वच्छ मीट उत्पादन को सुनिश्चित करना।	0.04	i.ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना (माडल-1) (5 संख्या) ii. अर्द्ध शहरी बूचड़खानों की स्थापना (माडल-2) (2 संख्या) iii. बड़े बूचड़खानों की स्थापना (माडल-3)(1 संख्या) iv. उप उत्पाद उपयोगिता संयंत्र (2 संख्या)	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
31	अंतर्देशीय मात्स्यिकी एवं जलकृषि का विकास	अंतर्देशीय तथा खारा जल जलकृषि, शीतल जल मात्स्यिकी, जलाशयों इत्यादि का विकास	52.00	i) जलकृषि के अधीन लाए गए क्षेत्र=0.23 लाख है0	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएफडीबी में शामिल करने को प्रस्तावित

32	समुद्री मात्स्यिकी, बुनियादी सुविधाएं एवं पोस्ट हार्वेस्ट संचालनों का विकास	बुनियादी सुविधाओं के विकास और सुदृढ़ीकरण के जरिए समुद्री मात्स्यिकी का विकास।	104.00	i. छोटे मत्स्यन बंदरगाहों का निर्माण=2 ii. मछली उतारने वाले केन्द्रों का निर्माण=2 iii. मौजूदा मत्स्यन बंदरगाह और मछली उतारने वाले केन्द्रों का मरम्मत और आधुनिकीकरण= iv. बुनियादी सुविधाएं तथा विपणन सुविधा (परियोजना की संख्या) 17 v. समुद्र में मछुआरों की सुरक्षा (कीटों की सं0) 1000 vi. पारम्परिक जलयानों का मोटरीकरण की संख्या 10000	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएफडीबी में शामिल करने को प्रस्तावित
33	पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण		578.70		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(क) पशुरोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी)	प्रतिरक्षण राज्य पशुचिकित्सा जैविकीय उत्पादन यूनिटों को सुदृढ़ करके आर्थिक रूंप से महत्वपूर्ण पशुधन रोगों का नियंत्रण।	110.00	i) की गई टीकाकरण की संख्या = 250 मिलियन ii) जैविकीय उत्पादन एकक का सुदृढ़ीकरण = 5 iii) रोग नैदानिक प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण = 30 iv) पशुचिकित्सकों का प्रशिक्षण = 108 बैच v) पैरा-चिकित्सकों का प्रशिक्षण = 108 बैच vi) कार्यशालाओं/सेमिनार आयोजित = 30 vi) परजीवियों का नियंत्रण viii) जीएसएम स्तर पर जैविय उत्पादन का उन्नयन 2	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(ख) राष्ट्रीय पशुप्लेग उन्मूलन परियोजना (एनपीआरई)	देश के पशुप्लेग और सीबीपीपी संक्रमण मुक्ति की स्थिति को कायम रखा गया।	5.00	गॉव के खोजे गए स्टॉक-रूट की खोज आउटपेर्टेट रजिस्टर/रोजनामचा का निरीक्षण जारी रहेगा।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

	(ग) व्यावसायिक दक्षता का विकास (पीईडी)	1) पशुचिकित्सा व्यवसाय को विनियमित करना, पशुचिकित्सकों के रिकार्ड का रख-रखाव, पशुचिकित्सा परिषदों का गठन करना। 2) निरंतर पशुचिकित्सा शिक्षा द्वारा आधुनिक तकनीकी ज्ञान को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए चिकित्सा कार्मिकों की क्षमता में सुधार।	5.00	1) सीवीई कार्यक्रम के तहत पशुचिकित्सकों के 20 बैचों को प्रशिक्षित किया जाना है। 2) आईबीपीआर का पंजीकरण = 2000 3) कॉलेजों का निरीक्षण = 16	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(घ) खुरपका एवं मुंहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एफएमडी - सीपी)	टीका तथा सहायक खर्चों सहित राज्यों को वित्त पोषित करके खुरपका और मुंहपका रोग का नियंत्रण करना।	300.00	i) की गई टीकाकरण की संख्या = 155 मिलियन ii) चुने गए 221 जिलों में एंटीबाडी टाइटर के लिए परीक्षित सीरम नमूनों की संख्या = 107,000	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(ड.) मौजूदा पशुचिकित्सा अस्पतालों/दवाखानों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण	भवन निर्माण/मौजूदा ढांचे का आधुनीकीकरण करते हुए पशुचिकित्सा संस्थानों के फिल्ड का सुदृढ़ीकरण	82.00	150 पशु अस्पतालों और 350 पशु डिस्पेंसरियों और मोबाइल क्लीनिकों के निर्माण/सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहायता देकर पशु चिकित्सालय के बुनियादी ढांचे में सुधार करना	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(च) राष्ट्रीय पीपीआर नियंत्रण कार्यक्रम	भेड़ और बकरियों में पेस्ट डे पेटीज रूंमीनेंटस नियंत्रण	48.00	पीपीआर के लिए टीकों की संख्या= 38.00 मिलियन	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	(छ) राष्ट्रीय पशु रोग रिपोर्टिंग प्रणाली(एनए डीआरएस)	देश में एक रोग रिपोर्टिंग प्रणाली का विकास	12.00	योजना का उदेश्य है कि एक बीमारी निगरानी सिस्टम को प्रत्येक ब्लाक जिला और राज्य को केन्द्रीय परियोजना मानीटरिंग यूनिट को राज्य स्तर पर समान यूनिट के माध्यम से जोड़े	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	

	(ज) राष्ट्रीय ब्रूसेलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम	स्क्रीनिंग के बाद टीकाकरण के जरिए पशुओं में ब्रूसेलोसिस का नियंत्रण	16.69	जिन स्थानों पर रोग का प्रकोप अधिक है वहां पर अधिक स्क्रीनिंग और उसके पश्चात् टीकाकरण।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
	झ)सीएसएफ के लिए राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम (नई योजना प्रस्तावित)		0.01	नई योजना	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	
34	राष्ट्रीय गोपशु और भैंस प्रजनन परियोजना कार्यक्रम	महत्वपूर्ण स्वदेशी नस्लों का आनुवांशिक उन्नयन, विकास तथा संरक्षण इत्यादि	79.99	i. मोबाइल कृत्रिम गर्भाधान यूनिटों की स्थापना = 7,000 ii. स्पर्म केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण=8 iii. हिमित वीर्य बैंकों की स्थापना=50 iv.प्रशिक्षण केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण/स्थापना=30 v. उत्पादित वीर्य खुराकों की संख्या=65 मिलियन vi. किए गए कृत्रिम गर्भाधानों की संख्या=65 मिलियन vii. संरक्षण कार्यक्रम के तहत लाए गए पशुओं की संख्या=100,000 viii. कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न हुए उन्नत बछड़ों की संख्या=19 मिलियन	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनपीबीबीडी में शामिल करने को प्रस्तावित
35	राष्ट्रीय बोवाइन प्रजनन कार्यक्रम		100.00			

36	डेयरी विकास परियोजना	i) किसानों द्वारा गुणवता वाले दूध के उत्पादन के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण और सुदृढ़ीकरण ii) दूध के उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन के प्रभावी मूल्य के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण और सुदृढ़ीकरण iii) प्रशिक्षण बुनियादी संरचना का विकास, डेयरी किसानों को प्रशिक्षण, डेयरी सहकारिताओं की स्थापना/उत्पादक कम्पनियां संगठित क्षेत्र में बढ़ती हुई दूध उत्पादन, प्राप्ति और विपणन और संरचना की हिस्सेदारी . iv) डेयरी सहकारिता सोसायटियों/उत्पादक कम्पनियों को ग्रामीण स्तर पर सुदृढ़ीकरण v) तकनीकी आदान सेवाएं जैसे पशु आहार खाद्य मिश्रण कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण आदि प्रदान करके दूध उत्पादन को बढ़ाना vi) दूध परिसंघों/संघों की स्थापना में सहायता करना vii)स्वरोजगार के माध्यम से डेयरी किसानों की सामाजिक पोष्टिक और आर्थिक दशा को सुधारना।.	100.00	i. डीसीएस के संगठन संख्या: = 750 ii.किसान सदस्य ('000) = 37.5 iii.प्रति डीसीएस औसत प्राप्ति (लीटर प्रतिदिन) = 80 iv. प्रति संघ/परियोजना विपणित तरल दूध (लीटर प्रति दिन) = 20,000 v. अतिरिक्त दूध प्रसंस्करण क्षमता का निर्माण (हजार लीटर प्रति दिन) = 50 vi. = वर्ष के दौरान सहायता किए गए दूध यु नियनों की संख्या 17 vii पुन:स्थापित दूध युनियन अर्थ लाभ लेने वालों की संख्या = 17	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएफडीबी में शामिल करने को प्रस्तावित

37	सहकारिताओं को सहायता	रूग्ण डेयरी सहकारिता का पुन:स्थापना जैसे जिला स्तर पर दूध संघ और राज्य स्तर पर सहकारिता दूध परिसंघ	10.00	i) वर्ष के दौरान सहायता किए जाने वाले दूध यूनियन की संख्या = 8 ii) पुन:स्थापित दूध यूनियन का अर्थ लाभ = 17	अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएफडीबी में शामिल करने को प्रस्तावित
38	पशुधन प्रबंधन		0.00		अप्रैल 2013 से मार्च 2014	एनएलएम में शामिल करने को प्रस्तावित
39	राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम)		0.03			
40	गोपशु प्रजनन और डेयरी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीबीबीडी)		0.01			
			3025.00			

परिशिष्ट-3.2

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग
वार्षिक योजना की समीक्षा (2011-12)
परिणाम/लक्ष्य(2011-12) के परिव्यय का विवरण

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	परिव्यय 2012-13	मात्रात्मक संख्या	प्रक्रिया/समयबद्धता	उपलब्धियाँ कालम (5) अक्तूबर /नवंबर2012 तक के संदर्भ में	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
1	राष्ट्रीय गोपशु और भैंस प्रजनन परियोजना कार्यक्रम	महत्वपूर्ण स्वदेशी नस्लों का आनुवांशिक उन्नयन, विकास तथा संरक्षण इत्यादि	180.89	i. मोबाइल कृत्रिम गर्भाधान यूनिटों की स्थापना = 9,000 ii. स्पर्म केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण=20 iii. हिमित वीर्य बैंकों की स्थापना=25 iv. प्रशिक्षण केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण/स्थापना=20 v. उत्पादित वीर्य खुराकों की संख्या=60 मिलियन vi. किए गए कृत्रिम गर्भाधानों की संख्या=60 मिलियन vii. संरक्षण कार्यक्रम के तहत लाए गए पशुओं की संख्या=50,000 viii. कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न हुए उन्नत बछड़ों की संख्या=18 मिलियन ix. उत्पादित प्रयुक्त संतति परीक्षित सांडों की संख्या=15 x. प्रजनन के लिए प्रयुक्त संतति परीक्षित सांडों की संख्या=200	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 5632 ii. 9 iii.12 iv. 11 v. 33 vi. 29 vii. 50,000 viii. 9 ix. लागू नहीं x. 200	खरीद की प्रिक्रया की पूर्ति में कार्यविधिक विलंब

2	चारा विकास के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजना	आहार और चारा विकास में राज्यों के प्रयासों में सहायता के लिए	50.00	i. स्थापना आहार ब्लॉक निर्माण यूनिटों की संख्या = 3 ii.चारागाह विकास = 1400 हैक्टेयर iii. चारा बीज उत्पादन एवं वितरण = 17000 क्विंटल iv. आहार परीक्षण प्रयोगशाला का सुदृढ़ीकरण = 4 संख्या v. हाथ से चलने वाली चारा कटाई की शुरूआत = 35,000 संख्या vi. बिजली से चलने वाली चारा कटाई की शुरूआत= 1200 संख्या vii. साइलेज बनाने वाले यूनिटों की स्थापना = 200 संख्या viii.अजौला की खेती और उत्पादन यूनिटों का प्रदर्शन = 5000 ix. बाईपास प्रोटीन उत्पादन यूनिटों की स्थापना = 2 संख्या x. क्षेत्र विशिष्ट खनिज/आहार पैलेटिंग/आहार उत्पादन यूनिटों की स्थापना = 6 संख्या	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 2 ii.1005.5 iii. 43567 iv. 0 v. 8030 vi. 4320 vii. 2940 viii. 3198 ix. 0 x. 0	
3.	कुक्कुट विकास		52.50				
	(1)राज्य कुक्कुट/बतख फार्मों को सहायता	ग्रामीण घरेलू कुक्कुट के लिए कम आदान वाले प्रौद्योगिकी वाले चूजों का उत्पादन एवं आपूर्ति करना और इस संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करना भी	10.00	i. सहायता प्राप्त फार्मों की संख्या = 8	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	7(अधिकतर अंशत):	एनएलएम में मिलाए जाने को प्रस्तावित

	(2) ग्रामीण घरेलू कुक्कुट का विकास	पौषणिक स्थिति तथा सहायक आय में वृद्धि लाने के लिए ग्रामीण घरेलू कुक्कुट का संवर्द्धन एवं सामूहिक प्रयास के जरिए बेहतर सम्पर्क तैयार करना।	40.00	लाभार्थियों की संख्या= 0.50 लाख	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	0.95	
	(3) कुक्कुट संपदा की स्थापना		2.50	i. कुक्कुट संपदाओं की संख्या = शून्य	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 2 (पायलट आधार)	
4.	विलुप्तप्राय पशुधन नस्लों का संरक्षण	पशुधन की विलुप्तप्राय नस्लों का संरक्षण	1.00	i. सहायता प्रदान की गई प्रजनकों/ कृषक संघों/ सहकारिताओं/ गैर सरकारी संगठनों की संख्या = 4 ii. संबंधित प्रजनन श्रेणी में चुने गए तथा रखे गए विभिन्न विलुप्तप्राय नस्लों के अंतर्गत पशुओं की संख्या = 500	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 1 ii. 330	एनएलएम में विलयन
5.	पशुधन बीमा	कृषकों और गोपशु पालकों को मृत्यु के कारण उनके पशुओं को हुई हानि के लिए सुरक्षा प्रदान करना, पशुधन के बीमा के लाभ के बारे में प्रदर्शन करना, और पशुधन और उनके उत्पादों में गुणवत्ता सुधार को प्राप्त करने की अंतिम उद्देश्य के साथ इसे लोकप्रिय बनाना।	50.00	1. 8.00 लाख स्वदेशी/वर्ण संकरित दूधारु पशुओं तथा भैंसों को बीमाकृत करना।	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. 8.03 लाख पशुओं का बीमा किया गया।	
6.	पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण		403.01				-

	(क) पशुरोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी)	प्रतिरक्षण राज्य पशुचिकित्सा जैविकीय उत्पादन यूनिटों को सुदृढ़ करके आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पशुधन रोगों का नियंत्रण।	82.00	i) की गई टीकाकरण की संख्या = 190 मिलियन ii) जैविकीय उत्पादन एकक का सुदृढ़ीकरण = 6 iii) रोग नैदानिक प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण = 23 iv) पशुचिकित्सकों का प्रशिक्षण = 120 बैच v) पैरा-चिकित्सकों का प्रशिक्षण = 120 बैच vi) कार्यशालाओं/सेमिनार आयोजित = 25	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 93मिलियन टीकाकरण की खुराकें दी गईं। अन्य से संबंधित कार्य प्रगति पर है। ii. 0 यूनिटें प्रगतिधीन iii. 0 यूनिटें प्रगतिधीन iv. 14 बैच v. 11 बैच vi. 2 संख्या	-
	(ख) राष्ट्रीय पशुप्लेग उन्मूलन परियोजना (एनपीआरई)	देश के पशुप्लेग और सीबीपीपी संक्रमण मुक्ति की स्थिति को कायम रखा गया।	4.01	गॉव के खोजे गए स्टॉक-रूट की खोज आउटपेटेंट रजिस्टर/रोजनामचा का निरीक्षण जारी रहेगा।	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	देश के पशुप्लेग और सीबीपीपी संक्रमण मुक्ति की स्थिति को कायम रखा गया।	-
	(ग) व्यावसायिक दक्षता का विकास (पीईडी)	1) पशुचिकित्सा व्यवसाय को विनियमित करना, पशुचिकित्सकों के रिकार्ड का रख-रखाव, पशुचिकित्सा परिषदों का गठन करना। 2) निरंतर पशुचिकित्सा शिक्षा द्वारा आधुनिक तकनीकी ज्ञान को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए चिकित्सा कार्मिकों की क्षमता में सुधार।	5.00	1) सीवीई कार्यक्रम के तहत पशुचिकित्सकों के 20 बैचों को प्रशिक्षित किया जाना है। 2) आईबीपीआर का पंजीकरण 3) कॉलेजों का निरीक्षण	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. शून्य 2. 2011 3. 16	-
	(घ) खुरपका एवं मुंहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एफएमडी - सीपी)	टीका तथा सहायक खर्चों सहित राज्यों को वित्त पोषित करके खुरपका और मुंहपका रोग का नियंत्रण करना।	190.00	i) की गई टीकाकरण की संख्या = 110 मिलियन ii) चुने गए एंटीबाडी टाइटर के लिए परीक्षित सीरम नमूनों की संख्या = 88,000	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. किए गए टीकाकरण की संख्या 93.21 मिलियन 2. चुने गए एंटीबाडी टाइटर के लिए परीक्षित सीरम नमूनों की संख्या = 70170	-

	(ड.) मौजूदा पशुचिकित्सा अस्पतालों/दवाखानों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण	भवन निर्माण/मौजूदा ढांचे का आधुनीकीकरण करते हुए पशुचिकित्सा संस्थानों के फिल्ड का सुदृढ़ीकरण	91.00	i. पशुचिकित्सा अस्पतालों और डिस्पेंसरियों के सुदृढ़/निर्माण के लिए धनराशि का प्रावधान	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	नवंबर 2012 तक 31.86 करोड़ रूपए पशु चिकित्सा अस्पतालों और डिस्पेंसरियों के सुदृढ़ निर्माण के लिए वित्तीय सहायता दी गई	-
	(च) राष्ट्रीय पीपीआर नियंत्रण कार्यक्रम	भेड़ और बकरियों में पेस्ट डे पेटीज रूंमीनेंटस नियंत्रण	10.00	पीपीआर के लिए टीकों की संख्या= 38.00 मिलियन	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	7.5 मिलियन	-
	(छ) राष्ट्रीय पशु रोग रिपोर्टिंग प्रणाली (एनएडीआरएस)	देश में एक रोग रिपोर्टिंग प्रणाली का विकास	10.00	योजना का उदेश्य है कि एक बीमारी निगरानी सिस्टम को प्रत्येक ब्लाक जिला और राज्य को केन्द्रीय परियोजना मानीटरिंग यूनिट को राज्य स्तर पर समान यूनिट के माध्यम से जोड़े	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	एनएआरडीएस के अधीन 7032 में से 6831 नोड्स स्थापित किए गए हैं और बचे हुए भागों में स्थापना करने का कार्य प्रगति पर है 6936 इंटरनेट कनेक्शन चालू किया जाना है जिसमें से 5779 कनेक्शन चालू किए जा रहे हैं।	-
	(ज) राष्ट्रीय ब्रूसेलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम	स्क्रीनिंग के बाद टीकाकरण के जरिए पशुओं में ब्रूसेलोसिस का नियंत्रण	11.00	जिन स्थानों पर रोग का प्रकोप अधिक है वहां पर अधिक स्क्रीनिंग और उसके पश्चात् टीकाकरण।	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
7.	पशुधन संगणना	सभी प्रकार के स्वदेशी पशुओं, कुक्कुट पक्षियों, कृषि औजारों एवं मात्स्यिकी सांख्यिकियों पर सूचना प्रदान करना	150.00	1.मास्टर प्रशिक्षक को प्रशिक्षण 2.अनुसूचियों की छपाई 3.गणनाकार और पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण 4. 19वों पशु संगणना का शुभारंभ 5. एनआईसी के माध्यम से सॉफ्टवेयर की तैयारी 6. सॉफ्टवेयर का पायलट परीक्षण 7. प्रारंभिक डाटा एंट्री 8. मीडिया लोकप्रियता	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. 1 से 4 तक और 8 पूर्ण। 2. 5 से 9 तक प्रारंभिक। 3. 28 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में शतप्रतिशत गणना का कार्य पूर्ण हो गया	

				9 डाटा एंट्री केन्द्र की स्थापना			
8	एकीकृत नमूना सर्वेक्षण	सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में नमूना सर्वेक्षण के जरिए दूध, अंडा, ऊंन, मीट जैसे महत्वपूर्ण पशुधन उत्पादों का अनुमान।	13.50	1. वर्ष 2011-12 के प्रमुख पशुधन उत्पादों के अनुमान को अंतिम रूंप देना। 2. वर्ष 2012-13 के लिए पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग द्वारा राज्य/संघ शासित प्रदेशों के प्रमुख पशुधन उत्पादों का डाटा एकत्र करना। 3. देश भर में कराए गए नमूना सर्वेक्षण के आधार पर प्रमुख पशुधन उत्पाद के आकलन सहित मौलिक पशुपालन सांख्यिकी का द्विवार्षिक प्रकाशन। 4. देश भर में कराए गए नमूना सर्वेक्षण के आधार पर प्रमुख पशुधन उत्पाद के आकलन सहित मौलिक पशुपालन सांख्यिकी का वार्षिक प्रकाशन।	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1.वर्ष2011-12 के लिए प्रमुख पशुधन उत्पादों का आकलन अंतिम रूप से किया जा चुका है। 2.वर्ष 2012-13 में राज्य/संघ शासित प्रदेशों के पशुपालन विभागों द्वारा गर्मी और वर्षा की ऋतु का आंशिक डाटा एकत्रित किया गया। 3. बीएएचएस 2012 का प्रकाशन किया जा चुका है। 4. बीएएचएस के डाटा का उन्नयन प्रारंभिक अवस्था में है।	
9	केन्द्रीय गोपशु विकास संगठन	आनुवांशिक रूंप से बेहतर नस्ल के सांड बछड़ों, अच्छे गुणवत्ता वाले हिमित वीर्य उत्पादन, गोपशु के उत्तम जर्मप्लाज्म के स्थान का पता लगाना इत्यादि।	29.00	i. सांड बछड़ों का उत्पादन = 400 ii. हिमित वीर्य खुराकों का उत्पादन और वितरण = 13.00 लाख iii.व्यक्तियों का प्रशिक्षण (संख्या) = 210 iv.पशुओं का प्रारंभिक पंजीकरण (संख्या) = 13000	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 275 ii. 8.53 लाख iii.196 iv.11,903	

10	केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म	वर्ण संकरण तथा आनुवांशिक उन्नयन के लिए विभिन्न राज्यों के भेड़ फार्मों को अनुकूलित स्टड भेड़ों का उत्पादन एवं प्रचार-प्रसार।	2.10	i. मृग और मेढ़ों का वितरण =900,80 ii.भेड़ पालन तथा अन्य क्रियाकलापों संबंधी प्रशिक्षण (संख्या) = 800	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
11.	केन्द्रीय चारा विकास संगठन	उच्च पैदावार वाली किस्मों के चारा फसलों को बढ़ाना मिनिकिटों का वितरण, बीज उत्पादन, प्रशिक्षण, चारा प्रदर्शन	22.55	i)चारा बीज उत्पादन(टन)=275 ii) प्रदर्शन (संख्या)= 8000 iii)मिनिकिटों का वितरण (लाख)=0.5 iv)फील्डदिवस/कृषक मेले(संख्या)= 96 v)प्रशिक्षण (संख्या)=96	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. 398,68 2. 8649 3 1.14 4 102 5 106	
12.	केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन	गुणवत्ता चूजे उपलब्ध कराना, टर्की, फाउल, बत्तख इत्यादि जैसी अन्य प्रजातियों का विविधीकरण, प्रशिक्षकों/कृषकों का प्रशिक्षण, यादृच्छिक नमूना परीक्षण।	20.00	i) आपूर्ति किए गए पैरेंट स्टॉक चिक (000 में)= 70 ii) चिकन/बत्तख हैचिंग अण्डे= (000 में) 375 iii) बत्तख चूजों का उत्पादन(000 में)= 100 iv) आहार नमूना का विश्लेषण (संख्या में)= 2000 v) प्रशिक्षित व्यक्ति (संख्या में)= 1000 vi) यादृच्छिक नमूना परीक्षण= (संख्या में) लेअर - 1 ब्रायलर – 2 vii) आपूर्ति की गई वाणिज्यिक चूजे (000 में)= 800 viii) जेक्वइल जी0 क्वूईल/जी फाउल/टर्की (000 में)=100	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. 85 2. 983 3. 71.6 4. 2513 5. 1905 6. लेयर्स 1 प्रगति पर ब्रायलर्स 1 प्रगति पर 7. 351 8. 196	एनएलएम में शामिल करने के लिए प्रस्तावित

13	पशु स्वास्थ्य निदेशालय	i)ए.क्यू.सी.एस पशुधन आयात और पशुधन आयातों का नियमित करके देश में पशुधन रोगों के प्रवेश से रोकना। पशुधन और पशुधन उत्पाद के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नियम के अनुसार निर्यात स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करना, जो भारत से निर्यात किया जाता है। ii) सी.डी.डी.एल./आर.डी.डी.एल.- राज्यों/क्षेत्रों में नैदानिक क्षेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना। iii) एन.ए. एच. - मांग आधारित सुरक्षा की उपलब्धता और पशुचिकित्सा जैविकीयों की क्षमता परीक्षण।	23.50	i) (क) पशुधन रोगों के प्रवेश को रोकने के लिए पशुधन और पशुधन उत्पादों का परीक्षण। (ख) बैंगलोर और हैदराबाद में स्थिर 2 नये संगरोध केन्द्रों के लिए निर्माण कार्य आरम्भ किया जाना है। ii) सीडीडीएल/आरडीडीएल - मांग आधारित नैदानिक रोग चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता। iii) पशु चिकित्सा जैविकी मांग आधारित सुरक्षा और पोटेंसी का परीक्षण	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. सीडीडीएल/ आरडीडीएल - मांग आधारित नैदानिक रोग चिकित्सा की सुविधा की उपलब्धता आरडीडीएल/सीडीडीएल द्वारा प्रदान कराई जा रही है। एवियन एंफलयूएंजा की निगरानी और नैदानिक की उत्तम सेवाएं प्रयोगशाला द्वारा प्रदान की गई हैं।	
14 क	सघन डेयरी विकास कार्यक्रम	1.दुधारूं गोपशु का विकास 2.तकनीकी आदान सेवाएं, प्रदान कर दूध उत्पादन को बढ़ाना। 3. अधिप्राप्ति, प्रसंस्करण और दूध का विपणन प्रभावी तरीके से करना। 4. दूध उत्पादकों को अच्छे मूल्य सुनिश्चित कराना। 5. अतिरिक्त रोजगार का सृजन करना। 6.असुविधा वाले क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक और पौष्टिक स्थिति का तुलनात्मक सुधार।	55.00	i. डेयरी सहकारिता संगठन = 300 ii. कृषक सदस्य = 12,000 iii. प्रति डीसीएस औसत अधिप्राप्ति = 80 लीटर प्रतिदिन iv. प्रति संघ/परियोजना द्वारा विपणन किया गया तरल दूध = 15,000 लीटर प्रतिदिन v. तैयार की गई अतिरिक्त दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता= 50,000 लीटर प्रतिदिन	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i.458 ii.288080 iii. 86 लीटर प्रतिदिन iv.20,618 लीटर v. 4000 लीटर प्रतिदिन	

14 ख	गुणवत्ता तथा स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।	1.गुणवत्ता तथा स्वच्छ दूध उत्पादन के परीक्षण और विपणन के लिए बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण उपभोग से लेकर किसानों तक। 2. स्वच्छ दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए जनसमुह में जागरूकता लाने के लिए बुनियादी सुविधाओं का प्रर्शिक्षण एवं सुदृढ़ीकरण। 3.दूग्ध उत्पादकों को प्रशिक्षण देकर और जनसमुह में जागरूकता लाकर कच्चे दूध को पूर्ण प्रशीतन के लिए दूध इकठ्ठे करने वाले केन्द्रों पर अधिक दूध प्रशीतन सुविधाओं की स्थापना करके कच्चे दूध की गुणवता में सुधार करना।	45.00	i. किसानों का प्रशिक्षण = 80,000 ii. विशाल दुग्ध प्रशीतन स्थापना = 2.2 लाख लीटर प्रतिदिन iii.प्रयोगशाला सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण =50	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 12,797 ii. 1.07 लाख लीटर प्रतिदिन iii. 67	
14ग	राष्ट्रीय डेयरी योजना	1. दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढाना और इसके लिए दूध की बढती मांग को पूरा करने के लिए दूध करा उत्पादन बढाना। 2. संगठित दूध प्रसंस्करण क्षेत्रों में ग्रामीण दूध उत्पादकों को अधिक संख्या में पहुंचाना।	130.00		अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	नवम्बर 2012 तक 8 राज्यों से 39 उप-परियोजना प्रस्तावित हैं।	
15	सहकारिताओं को सहायता	जिला स्तर पर रूग्ण डेयरी सहकारिता संघों एवं राज्य स्तर पर सहकारिता परिसंघों का पुनरूद्धार।	10.00	i. पुनरुद्धार के लिए सहायता प्राप्त दुग्ध संघों की संख्या =8 2. पुनरूद्धरित लाभ वाले दूध संघों की संख्या 17	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i) 3 ii) 16	संबंधित हिस्सों को प्रदान करने में राज्य सरकार की तत्परता।

16	दिल्ली दुग्ध योजना	उपभोक्ताओं को गुणवत्ता दुग्ध और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति करना।	2.00				
17	डेयरी पूंजीगत ऊधम कोष/डेयरी उद्यमकर्त्ता विकास निधि	डेयरी क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देकर स्वरोजगार का सृजन करके दूध उत्पादन को बढ़ाना	150.00	1. योजना मांग आधारित है और नाबार्ड के माध्यम से क्रियान्वित	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	30.11.2012 तक 30809 डेयरी युनिटों की स्थापना के लिए 120.21 करोड़ रूपए की ऋण सहायता दी गई	ऋण संबंधी योजना
18.	अंतर्देशीय मात्स्यिकी एवं जलकृषि का विकास	अंतर्देशीय तथा खारा जल जलकृषि, शीतल जल मात्स्यिकी, जलाशयों इत्यादि का विकास	40.00	i. जलकृषि के अंतर्गत लाए गए क्षेत्र= 0.23 लाख है0	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. 0.23	
19	समुद्री मात्स्यिकी, बुनियादी सुविधाएं एवं पोस्ट हार्वेस्ट संचालनों का विकास	बुनियादी सुविधाओं के विकास और सुदृढ़ीकरण के जरिए समुद्री मात्स्यिकी का विकास।	80.00	i. छोटे मत्स्यन बंदरगाहों का निर्माण=2 ii. मछली उतारने वाले केन्द्रों का निर्माण=2 iii. मौजूदा मत्स्यन बंदरगाह और मछली उतारने वाले केन्द्रों का मरम्मत और आधुनिकीकरण= iv. बुनियादी सुविधाएं तथा विपणन सुविधा (परियोजना की संख्या) 17 v. समुद्र में मछुआरों की सुरक्षा (कीटों की सं0) 1000 vi. पारम्परिक जलयानों का मोटरीकरण की संख्या 10000	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 4 ii. 1 iii. iv. 19 v. 1000 vi 2037	

20	राष्ट्रीय मछुआरा कल्याण कार्यक्रम	आधुनिक मछुआरा गांवों का विकास' सक्रिय मछुआरों के लिए सामूहिक दुर्धटना बीमा इत्यादि।	50.00	i. बीमा योजना के अंतर्गत शामिल मछुआरों की संख्या= 42लाख ii. मछुआरों के लिए घरों का निर्माण= 6000 iii. बचत-सह-राहत योजना के अंतर्गत शामिल मछुआरों की संख्या= 4 लाख	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 35.74 ii. 3235 iii. 2.69	
21.	मात्स्यिकी क्षेत्र में डाटाबेस और भोगोलिक सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	मात्स्यिकी सांख्यिकी के गुणवत्ता आकलन के संबंध में डाटाबेस के विकास और रख-रखाव के लिए राज्यों को सुदृढ़ करना	6.50	i. अंतर्देशीय और समुद्री मात्स्यिकी का कैच विश्लेषण सर्वेक्षण - सभी राज्य ii. अंतर्देशीय जल निकायों के जीआईएस का विकास - सभी राज्य/ संघ शासित प्रदेश iii. समुद्री मात्स्यिकी संगणना - सभी राज्य 4. छोटे जलनिकायों की मैपिंग और जीआइएस आधारित मात्स्यिकी प्रबंधन प्रणाली का विकास – सभी राज्य	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1. सभी राज्य 2. विकासित 3. कर दिया गया 4. कर दिया गया	
22.	मुछुआरा संस्थानों को सहायता		54.20		अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
	(क)केन्द्रीय मात्स्यिकी नौचालन तथा इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान	तटीय स्थापनाओं के लिए तकनीशियनों और मत्स्यन जलयानों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित चालकों को उपलब्ध कराना।	15.00	i.प्रशिक्षित अभ्यार्थी/व्यक्ति = 825 ii. समुद्र में दिन = 460 दिन iii. मत्स्यन प्रयास = 1,480 घंटे iv. संस्थागत प्रशिक्षण दिवस = 3000 दिन v. पोस्ट संस्थागत प्रशिक्षु दिवस = 4200 दिन	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 600 ii.253 iii. 995.20 iv. 2074 v. 2133	

	(ख)केन्द्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजीनियरिंग संस्थान	मत्स्यन बंदरगाहों और खाराजल जल फार्मों के विकास के लिए तकनीकी- आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन करना।	0.00	i. मात्स्यिकी बंदरगाह स्थानों की जांच करना= 2 ii. मात्स्यिकी बंदरगाहों के लिए टीइएफआर की तैयारी= 2	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 1 ii. 1	
	(ग) राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी संस्थान	मछली के गैर परंपरागत किस्मों का प्रसंस्करण, प्रचार और जांच विपणन	2.20	i. प्रसंस्कृत मछली की मात्रा (मी.ट.)=150 ii. विपणित मछली उत्पादों की मात्रा (मी.ट.)= 100 iii. प्रशिक्षण दिवसों की संख्या= 8000 iv. विकसित उत्पाद=100 मी0 टन v प्रिशक्षित प्रशिक्षुओं की सं0 450	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 102.50 ii. 73.30 iii.6712 iv. 68.55 मी.टन v. 402	
	(घ) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण तथा विश्लेषण	37.00	i. जलयानों द्वारा मत्स्यन दिवसों की संख्या=2,000 ii. बाटम और मिड वाटर ट्रालिंग के लिए नमूना घंटे= 5,300 iii. टूना लांग लाइनिंग के लिए संचालित हुकों की संख्या= 4,00,000 iv. ट्रैप मत्स्यन=1600 v. हैंडलाइन मत्स्यन=3840 vi. बोटम सैट वर्टिकल लाइन=18000 vii. क्रूज के दौरान दिवस=2400 viii. यात्रा की संख्या=130	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 526 ii. 1309 iii. 1,26770 iv- लागू नहीं v - लागू नहीं vi. लागू नहीं vii. 751 vii. 46	
23.	राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड	मत्स्यन उत्पादों के उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन में सुधार लाने के उद्देश्य से मात्स्यिकी और जलकृषि से संबंधित सभी क्रियाकलापों को एक छत्र के अंतर्गत लाना।	110.00	i. तालाबों का निर्माण = 1,000है0 ii. मत्स्य हैचरियां = 60 iii. गोव मत्स्य एवं हेचरी का नवीकरण 350 है0 iv. मत्स्य बीज पालन फार्म 350 है0 v. प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या 5000 vi. मत्स्य ड्रेसिंग केन्द्रों की स्थापना = 2 vii. घरेलू हैचरियों/जलग्रह युनिटों की	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. 163 है0 ii. – 9 iii. 2 iv. v.5205 vi. कुछ नहीं vii. 127 viii 2 ix 20	

				स्थापना 1000 viii. मत्स्यन बंदरगाहों का आधुनिकीकरण 5 ix. थोक मत्स्य बाजारों/खुदरा बिक्री केन्द्रों का आधुनिकीकरण 40			
24.	सचिवलाय एवं आर्थिक सेवाएं		7.00				
25.	आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र,, कर्नाटक और केरल राज्यों के आत्महत्या संभावित जिलों के लिए विशेष पशुधन क्षेत्र और मात्स्यिकी पैकेज।		35.00				
26.	पशु स्वास्थ्य योजना निदेशालय के एवियन इंफ्लूएंजा के लिएवाह्य सहायता घटक।	एवियन इंफ्लूएंजा का नियंत्रण और निराकरण।	72.20	मांग आधारित। कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं।	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
27.	छोटे जुगाली करने वाले पशुओं और खरगोशों का एकीकृत विकास।	आनुवंशिक उन्नयन, स्वास्थ्य कवर और विपणन पर ध्यान देते हुए छोटे जुगाली करने वाले पशुओं का विकास।	15.00	i. पूंजीगत उद्यमकोष के अन्तर्गत कृषकों का प्रशिक्षण = 5000 ii. कृषक संगठन (एसएचजी) और कृषक संगठन गठित करना 4000 iii. वाणिज्यिक यूनिट स्थापित करना = 1800 iv प्राइवेट फार्म 80 v खरगोश वाणिज्यिक यूनिट 300 vi संस्थागत पुन:रचना 4	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1722 भेड़ और बकरी यूनिटों को नाबार्ड द्वारा विभिन्न राज्यों में मंजूरी मिल गई है।	एनएलएम में शामिल किया गया है।
28.	ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना/आधुनिकीकरण	i. पशुधन के वध की नई प्रणाली स्थापित करना। ii.ऐसे बूचड़खानों की स्थापना जिन्हें 50,000 से कम जनसंख्या वाले ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में प्राइवेट उद्यमियों	0.01	i.ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना (माडल-1) (5 संख्या) ii. अर्द्ध शहरी बूचड़खानों की स्थापना (माडल-2) (2 संख्या) iii. बड़े बूचड़खानों की स्थापना (माडल-3)(1	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. शून्य	जारी नहीं रखना है

		द्वारा प्रचालित किया जा सके। iii. ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों के मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करना जिससे कि उप उत्पादों की सुचारू उपयोगिता से पशुधन मालिको को बेहतर आय मिल सके। iv. कोल्ड चेन नेटवर्क स्थापित करते हुए और वाणिज्यिक आधार पर वितरण द्वारा बूचडखाने से उपभोक्ता के टेबल तक स्वच्छ मीट उत्पादन को सुनिश्चित करना।		संख्या) iv. उप उत्पाद उपयोगिता संयंत्र (2 संख्या)			
29.	सूअर विकास	i. वैज्ञानिक तरीके अपनाकर एवं बुनियादी सुविधायें देकर सूअरों को वाणिज्यिक स्तर पर पालन के लिए प्रोत्साहन देना। ii. बेहतर जर्म प्लाज्म का उत्पादन और आपूर्ति। iii. वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए पण्यधारी को संगठित करना। iv. मीट उद्योगों के लिए चेन आपूर्ति सृजित करना। v. बेहतर आय के लिए मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करना।	10.00	i. सुअर प्रजनन फार्म (20 मादा+ 4 नर) = 200 संख्या ii. सुअर पालन एकक (3 मादा + 1 नर) = 3000 संख्या iii. फुटकर बिक्री केन्द्र = 60 संख्या iv. लाइव मार्किट की सुविधा = 120 संख्या	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	1617 सूअर पालन और प्रजनन यूनिट	सूअर विकास के विस्तारित मिनीमिशन के रूप में क्रियान्वित किया जाना है।
30.	कुक्कुट पूंजीगत उद्यम कोष		30.00	मॉग आधारित	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	इसके अंतर्गत यूनिटों की संख्या 506 यूनिट	
31.	खाद्य सुरक्षा और उनकी पहचान (नई योजना)	मूल उत्पादन स्तर पर पशुजन खाद्य सुरक्षा में आत्मविश्वास का सृजन	5.00	एक या दो राज्यों में योजना का क्रियान्वयन पायलट अवस्था में है	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	पशुओं की पहचान के लिए नीति विकसित करने के वास्ते एफ.ए.ओ. को निधि प्रदान करना और उसके	

						बाद एक अथवा दो राज्यों में पायलट आधार पर इसका परीक्षण किया जायेगा।	
32.	मृत पशुओं की उपयोगिता	i. पर्यावरण प्रदूषण और पशुधन रोगों के प्रकोप को रोकना। ii. पशु शव एकत्रीकरण, फ्लेयिंग और उप उत्पाद प्रसंस्करण से जुड़े गरीब ग्रामीणों को रोजगार अवसर प्रदान करना। iii. समय पर खरीद, बेहतर रखरखाव और ढुलाई के जरिए बेहतर खाल एवं चमड़ा का उत्पादन। iv. सिविल तथा रक्षा विमानों को पक्षियों से टकराने से बचाना।	0.01	i. उपयोगिता यूनिट = माडल-1(3 संख्या) ii उपयोगिता यूनिट = माडल-2(2 संख्या) iii. बोन क्रशिंग यूनिट = (11 संख्या)	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i. शून्य	12वीं योजना में क्रियान्वयन के लिए पुन:संरचना की जानी है।
33.	नर भैंस बछड़ों को बचाना और उन्हें पालना	i. मीट उत्पादन के लिए नर भैंस बछड़ों का बचाना और पालना। ii. निर्यात और स्वदेशी बाजार के लिए भैंस मीट की उपलब्धता को बढ़ाना। iii. चमड़ा उद्योग के लिए कच्चे माल के आधार को बढ़ाना। iv. मीट के उपोत्पादों और बोन, टेलो, जैव उर्वरक, ब्रुश, कंघी, बटन इत्यादि की उपलब्धता को बेहतर बनाना। v. भैंस मीट और चमड़ा निर्यात के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जन को सुधारना। vi. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार अवसरों को बढ़ाना	0.01	i. व्यक्तिगत यूनिट 1-9 बछड़े (0.50 लाख संख्या) ii. वाणिज्यिक यूनिट (10-50 बछड़े) 500 संख्या iii. औद्योगिक यूनिट (कम से कम 1000 बछड़े) 20 संख्या	अप्रैल 2012 से मार्च, 2013	i.शून्य	12वीं योजना में क्रियान्वयन के लिए पुन:संरचना की जानी है।

34.	पशु चिकित्सालय ड्रग नियंत्रण प्राधिकरण की स्थापना		0.01		अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
35	पशु चिकित्सा कॉलेजों की बुनियादी संरचनाओं का उन्नयन, सुदृढीकरण		1.00		अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
36	पशुधन प्रबंधन		1.00		अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		जैसा कि एनएलएम में पुन: नामित किया जाना है
37	पशुधन विस्तार और डिलीवरी सेवाएं		0.01		अप्रैल 2012 से मार्च, 2013		
	कुल		1910.00				

परिशिष्ट-3.1

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग
परिव्यय तथा परिणाम/लक्ष्य(2010-11) का विवरण

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	परिव्यय 2010-11	मात्रात्मक संख्या	प्रक्रिया/समयबद्धता	उपलब्धियाँ कालम (5)	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
1	राष्ट्रीय गोपशु और भैंस प्रजनन कार्यक्रम	महत्वपूर्ण स्वदेशी नस्लों का आनुवांशिक उन्नयन, विकास तथा संरक्षण इत्यादि	150.00	i. मोबाइल कृत्रिम गर्भाधान यूनिटों की स्थापना = 9200 ii. स्पर्म केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण=20 iii. हिमित वीर्य बैंकों की स्थापना=25 iv. प्रशिक्षण केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण/स्थापना=20 v. उत्पादित वीर्य खुराकों की संख्या=52 मिलियन vi. किए गए कृत्रिम गर्भाधानों की संख्या=51 मिलियन vii. संरक्षण कार्यक्रम के तहत लाए गए पशुओं की संख्या=50,000 viii. कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न हुए उन्नत बछड़ों की संख्या=15 मिलियन ix. उत्पादित प्रयुक्त संतति परिक्षित सांडों की संख्या=15 x. प्रजनन के लिए प्रयुक्त संतति परीक्षित सांडों की संख्या=200	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i 9,826 ii. 20 iii. 26 iv. 20 v. 63 मिलियन vi. 54 मिलियन vii. 59,000 viii.16 मिलियन ix. 15 x. 200	
2	चारा विकास के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजना	आहार और चारा विकास में राज्यों के प्रयासों को बढ़ाना	47.55	i. चारा ब्लॉक बनाने वाली यूनिटों की स्थापना = 15 ii. चारागाह विकास = 1600 हैक्टेयर iii. चारा बीज उत्पादन और वितरण = 20,000 क्विंटल iv. आहार परीक्षण प्रयोगशाला का	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 0 ii. 887 iii. 24,132 iv. 2 v. 13,362 vi. 827 vii. 328	

				सुदृढ़ीकरण = 4 v. हाथ से चलाये जाने वाले शेष कटर लागू करना = 45,000 vi. बिजली से चलाये जाने वाले शैफ कटर लागू करना = 1,500 vii. सिलेज बनाने वाले यूनिटों की स्थापना = 300 viii. अजोला खेती और उत्पादन यूनिटों का प्रदर्शन = 13950 ix. बाई-पास प्रोटीन उत्पादन यूनिटों की स्थापना = 2 x. क्षेत्र विशेष मिनरल/आहार पैलेटिंग/आहार उत्पदान यूनिटों की स्थापना =15		viii. 520 ix. 0 x. 0	
3	कुक्कुट विकास		45.70				
	(i) राज्य कुक्कुट/ बत्तख फार्मों को सहायता	ग्रामीण घरेलू कुक्कुट के लिए कम आदान वाले प्रौद्योगिकी वाले चूजों का उत्पादन एवं आपूर्ति करना	8.14	i. सहायता दी जाने वाले फार्मों की संख्या = 2	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i.14 (अधिकांश अंशत:)	
	(ii) ग्रामीण घरेलू कुक्कुट का विकास	पौषणिक स्थिति तथा सहायक आय में वृद्धि लाने के लिए ग्रामीण घरेलू कुक्कुट का संवर्द्धन एवं सामूहिक प्रयास के जरिए बेहतर सम्पर्क तैयार करना।	35.00	i. लाभार्थियों की संख्या=0.60 लाख	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	ii.1.26 लाख	

	(iii) कुक्कुट संपदाओं की स्थापना		2.56	i. कुक्कुट संपदा की संख्या - शून्य	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 2 (पायलट आधार)	
4.	संकटापन पशुधन नस्लों का संरक्षण	पशुधन की संकटापन नस्लों का संरक्षण	2.50	i. सहायता प्रदान की गई प्रजनकों/ कृषक संघों/ सहकारिताओं/ गैर सरकारी संगठनों की संख्या = 4 ii. चुने गए विभिन्न संकटाधीन नस्लों तथा संबंधित प्रजनन ट्रेक में कायम रखे गए पशुओं की संख्या=500	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 4 ii. 950	
5.	पशुधन बीमा	कृषकों और गोपशु पालकों को मृत्यु के कारण उनके पशुओं को हुई हानि के लिए सुरक्षा प्रदान करना, पशुधन के बीमा के लाभ के बारे में बताना और पशुधन और उनके उत्पाद में गुणात्मक सुधार के अंतिमलक्ष्य को लोकप्रिय बनाना।	40.00	1. 7.00 लाख स्वदेशी/वर्ण संकरित दूधारु गोपशुओं और भैंसों को बीमाकृत करना।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 8.16 लाख पशुओं का बीमा किया गया	
6.	पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण		395.00				

	(क) पशुरोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी)	प्रतिरक्षण, राज्य पशुचिकित्सा जैविकीय उत्पादन यूनिटों को सुदृढ़ करके पशुधन और कुक्कुट में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पशुधन रोगों का नियंत्रण	80.00	i) किए गएटीकाकरण की संख्या=180 मिलियन ii) जैविकीय उत्पादन एकक का सुदृढ़ीकरण=6 iii) रोग नैदानिक प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण=23 iv) पशुचिकित्सकों का प्रशिक्षण = 120 बैच v) पैराचिकित्सकों का प्रशिक्षण = 120 बैच vi) कार्यशालायें/सेमिनार आयोजित = 25	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 349.78 मिलियन ii. 4 यूनिटस iii. 37 यूनिटस iv. 171 बैच v. 283 बैच vi. 38 संख्या	
	(ख) राष्ट्रीय पशुप्लेग उन्मूलन परियोजना (एन पी आर ई)	पशुप्लेग और संक्रामक बोवाइन प्ल्यूरोन्युमोनिया से देश को मुक्त करने के लिए रखरखाव।	4.00	1) पशुप्लेग संक्रमण से मुक्ति 2) सांसर्गिक बोवाईन प्ल्यूरोन्युमोनिया (सी बी पी पी) संक्रमण से मुक्ति।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	देश की पशुप्लेग और सीबीपीपी संक्रमण से मुक्ति की स्थिति को बरकरार रखा गया है।	
	(ग) व्यावसायिक दक्षता का विकास(पी ई डी)	(i) पशुचिकित्सा व्यवसाय को विनियमित करना, पशुचिकित्सकों का रिकार्ड रखना, पशुचिकित्सा परिषद गठित करना। (ii) पशुचिकित्सा शिक्षा को जारी रखते हुए अद्यतन तकनीकी ज्ञान के बारे में प्रशिक्षण देकर पशुचिकित्सा व्यावसायिकों की क्षमता में सुधार लाना।	4.00	1. सीवीई कार्यक्रम के अंतर्गत पशुचिकित्सकों के 20 बैचों (प्रत्येक बैच में 20 पशुचिकित्सक) को प्रशिक्षित किया जाना है। आईबीपीआर का पंजीकरण कालेजों का निरीक्षण	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	1. शून्य 2. 1863 3. 18	
	(घ) खुरपका एवं मुंहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम(एफ एम डी सी पी)	टीकों की लागत और इसके साथ के खर्चों को शामिल करते हुए राज्यों को वित्तपोषित करने के साथ खुरपका तथा मुंहपका रोग नियंत्रण करना।	178. 00	i) किए जाने वाले टीकाकरण की संख्या = 110 मिलियन ii) चुने गए 54 जिलों में एंटीबॉडी टाइटर के लिए जांचे गए सेरम नमूनों की संख्या=88,000	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i) किए गए टीकाकरण की सं. 115.862 ii) एंटीबाडी टाइटर के निर्धारण के लिए लिए गए वीर्य का नमूना- 96047	

	(ड) मौजूदा पशु चिकित्सा अस्पतालों /डिस्पेंसरियों की स्थापना और उन्हें सुदृढ़ करना		90.00	i) सुदृढ़ किए गये/स्थापित किये गये अस्पतालों की संख्या = 350 ii) सुदृढ़ किए जाने वाले/स्थापित किये जाने वाली डिस्पेंसरियों की संख्या =500	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	भवन का निर्माण करके/विद्यमान संरचनाओं को नवीकृत करके क्षेत्रीय पशुचिकित्सा संस्थानों को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को 59.41 करोड़ रुपये प्रदान किये गये।	-
	(च) पी पी आर का राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम	भेड़ों और बकरियों में पेस्ट डेस पेटिटस सीमनेंट का (पी.पी.आर.) नियंत्रण	12.50	पी.पी.आर के लिए टीकाकरण की संख्या = 40.00 मिलियन	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	चुने गए राज्यों में पीपीआर घटनाओं में कटौती	
	राष्ट्रीय पशु रोग रिपोर्टिंग प्रणाली (एन ए डी आर एस)		11.50	बीमारी रिपोर्टिंग का कम्प्युटरीकृत प्रणाली का पूर्णत: प्रयोजनमूलक होना चाहिए।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	7032 नोड के लक्ष्य के स्थान पर 6831 नोड की स्थापना की गई है। 6936 के इंटरनेट कनेक्शन के लक्ष्य के स्थान पर 5779 इंटरनेट कनेक्शन चालू किए गए।	
	राष्ट्रीय ब्रूसेलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम		15.00	जिन क्षेत्रों में रोग की घटनायें अधिक हैं वहाँ बड़ी मात्रा में स्क्रीनिंग और टीकारण किया गया।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012		
7.	पशुधन संगणना	विभिन्न प्रकार की जातियों के पशुधन की सभी प्रजातियों, कुक्कुट, कृषि औजारों एवं मशीनरी और उनकी मात्स्यिकी सांख्यिकियों पर सूचना प्रदान करना।	4.00	पशुधन संगणना 2007 के घरेलू स्तर से निकाले गए अंतिम परिणाम	अप्रैल 2011 से जुलाई, 2011	अखिल भारतीय रिपोर्ट (अंतिम परिणाम) के लिए टेबुलेशन का कार्य डिजिटल घरेलू स्तर के डाटा से निकाला गया है जो 19वीं पशुधन संगणना 2012 के लिए अग्रिम और प्रारंभिक है। समितियों को विशेषज्ञों के अधीन प्रारंभ किया जा चुका है।	

8.	एकीकृत नमूना सर्वेक्षण	सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में नमूना सर्वेक्षण के जरिए दूध, अंडा, ऊंन, मीट जैसे महत्वपूर्ण पशुधन उत्पादों का अनुमान	9.50	i. 2010-11 के लिए अनुमानित प्रमुख पशुधन उत्पादों को अंतिम रूंप देना। ii. पशुपालन,डेयरी और मत्स्यपालन विभाग 2011-12 के लिए अधिक पशुधन उत्पादों पर राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों के आंकड़ों का एकत्र करना।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 2010-11 के लिए मुख्य पशुधन उत्पादों के प्राक्कलन पूर्ण कर दिये गये हैं। ii पशुपालन,डेयरी और मत्स्यपालन विभाग 2011-12 के लिए अधिक पशुधन उत्पादों पर राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों के आंकड़ों का एकत्र करना। iii_बीएएचएस 2012 के आंकड़ों का आधुनीकीकरण अंतिम अवस्था पर है।	
9.	केन्द्रीय गोपशु विकास संगठन	आनुवांशिक रूंप से बेहतर नस्ल के सांड बछड़ों, अच्छे गुणवत्ता वाले हिमित वीर्य उत्पादन, गोपशु के उत्तम जर्मप्लाज्म के स्थान का पता लगाना इत्यादि	25.00	i. सांड बछड़ों का उत्पादन = 400 ii.हिमित वीर्य खुराकों का उत्पादन और वितरण = 13.00 लाख iii.व्यक्तियों का प्रशिक्षण = (संख्या) 200 iv. पशुओं का प्रारंभिक पंजीकरण = (संख्या) 13000	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 407 ii. 13.17 लाख iii. 296 iv. 14,703	

10	केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म	संकरण तथा आनुवांशिक उन्नयन के लिए विभिन्न राज्यों के भेड़ फार्मों को अनुकूलित स्टड मृगों का उत्पादन एवं प्रचार-प्रसार	2.00	i. मेंढों और मृगों का वितरण =900,80 ii. भेड़ पालन तथा अन्य क्रियाकलापों में प्रशिक्षण (संख्या) =800	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 950, 85 ii. 1216	रिक्त स्थानों को भरना/भूमि से सम्बद्ध पट्टा करार जारी रखना।
11	केन्द्रीय चारा विकास संगठन	उच्च पैदावार वाली किस्मों के चारा फसलों को बढ़ाना, मिनिकिटों का वितरण, बीज उत्पादन, प्रशिक्षण, चारा प्रदर्शन	43.50	i. चारा बीज उत्पादन (टन) = 275 ii. प्रदर्शन (संख्या) = 8000 iii.मिनिकिट का वितरण (लाख)=11 iv.फील्ड दिवस/कृषक मेले (संख्या)= 96 v. प्रशिक्षण (संख्या)=96	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i..150.25 ii..4,607 iii..12.47 iv.109 v. 113	निदेशक और वरिष्ठ तकनीकी सहायक के कई पद रिक्त हैं।
12	केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन	गुणवत्ता चूजे उपलब्ध कराना, टर्की, फाउल, बत्तख आदि जैसे अन्य प्रजातियों का विविधीकरण, प्रशिक्षकों/कृषकों को प्रशिक्षण, यादृच्छिक नमूना परीक्षण	15.50	i) आपूर्ति किये गये पेरेंट स्टाक चूजे(000 में)=70 ii) चिकन/बत्तख हैचिंग अंडे= (000 में) 375iii) बत्तख चूजों का उत्पादन(000 में)= 100iv) आहार नमूना का विश्लेषण= संख्या में= 2000 v) प्रशिक्षित व्यक्ति (संख्या में)= 1000 vi) यादृच्छिक नमूना परीक्षण= (संख्या में) लेअर - 1 ब्रायलर - 2vii) आपूर्ति किये गये वाणिज्यिक चूजे (000 में)=800 viii) जे0क्यूईल/जी फाउल/टर्की (000	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i).142 ii..1471 iii..106 iv.3,986 v.3,130 vi.लेयर 1 बॉयलर 2 vii.1019 viii 568	

				में)=100			
13.	पशु स्वास्थ्य निदेशालय	i)ए.सी.क्यू.एस पशुधन रोगों के प्रवेश को रोकने के लिए पशुधन और पशुधन उत्पादों का परीक्षण। ii)सी.डी.डी.एल./आर.डी.डी.एल.- राज्यों /क्षेत्रों में नैदानिक क्षेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना। iii) एन.ए.एच. - मांग आधारित सुरक्षा की उपलब्धता और पशुचिकित्सा जैविकीयों की क्षमता परीक्षण।	17.10	i) (क) पशुधन रोगों के प्रवेश को रोकने के लिए पशुधन और पशुधन उत्पादों का परीक्षण। (ख) बैंगलोर और हैदराबाद स्थित 2 नये रुगरोध केन्द्रों का निर्माण कार्य शुरू किया जाना है। ii) सीडीडीएल/आरडीडीएल - मांग आधारित नैदानिक रोग चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता। iii) (क) प्रयोगशाला की फर्नीशिंग पूरी की जानी है। (ख) टीकाकरण और बायोलोजिकल का परीक्षण।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. (क) आयातित पशुधन तथा पशुधन उत्पादों का परीक्षण किया गया। (ख) बैंगलोर और हैदराबाद पर ए.क्यू.सी.एस. की स्थापना के लिए भूमि अंतरित कर दी गई है और किनारे की दीवार का निर्माण कार्य चल रहा है। ii. सीडीडीएल/ आरडीडीएल - मांग आधारित नैदानिक रोग चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। iii. (क) शेष कार्य पूरा किया गया। (ख) टीकों के परीक्षण के लिए एस.ओ.पी. तैयार किया गया और परीक्षण शुरू किया गया।	

14 क	सघन डेयरी विकास कार्यक्रम।	1. दुधारू गोपशु का विकास 2. तकनीकी सेवाएं प्रदान करके दूध का उत्पादन बढ़ाना प्रसंस्करण और विपणन द्वारा दूध उत्पादन को बढ़ाना 3. दूध का उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन प्रभावी तरीके से करना 4. दूध उत्पादकों को उचित मूल्य सुनिश्चित कराना 5. अतिरिक्त रोजगार अवसरों का सृजन करना 6. सामाजिक आर्थिक और पोषण की स्थिति के अलाभान्वित क्षेत्रों में तुलनात्मक सुधार	30.00	i. डेयरी सहकारिता संगठन =500 ii. कृषक सदस्य = 25,000 iii. प्रति डीसीएस औसत अधिप्राप्ति = 70 लीटर प्रतिदिनiv. प्रति संघ/परियोजना द्वारा विपणन किया गया तरल दूध = 10000 लीटर प्रतिदिनv. अतिरिक्त दूध प्रसंस्करण क्षमता = 80000लीटर प्रतिदिन	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 3360 ii. 244630 iii.84 लीटर प्रतिदिन iv. 20643 लीटर प्रतिदिन v. 724000 लीटर प्रतिदिन	
14 ख	गुणवत्ता तथा स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।	1.किसानों के उपभोग के स्तर से उत्पादन परीक्षण गुणवत्ता दुग्ध का विपणन और दूध उत्पाद के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करना 2.स्वच्छ दूध के उत्पादन के बारे में जनसमूह को जागरूक बनाने के लिए बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण और प्रशिक्षण 3.दूध उत्पादकों में प्रशिक्षण देकर और जनसमूह में जागरूकता लाकर कच्चे दूध को तुरंत प्रशीतन के लिए दूध इकठ्ठे करने वाले केन्द्रों पर अधिक दूध प्रशीतन सुविधाओं की स्थापना करके कच्चे दूध की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।	21.25	i. किसानों का प्रशिक्षण = 80,000 ii. विशाल दुग्ध प्रशीतन स्थापना = 2.2 लाख लीटर प्रतिदिनiii. प्रयोगशाला सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण =50	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 48591 ii. 1.39 लाख लीटर प्रतिदिन iii. 97	

14 ग	राष्ट्रीय डेयरी योजना	दूध की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दूध उत्पादन को बढ़ाना	100.00	फरवरी 2012 में नई योजना अनुमोदित की गई			
15	सहकारिताओं को सहायता	राज्य स्तर पर रूग्ण डेयरी सहकारिता संघों एवं राज्य स्तर पर सहकारिता परिसंघों का पुनरूद्धार	10.00	i. वर्ष के दौरान पुनरुद्धार संबंधी सहायता प्राप्त दुग्ध संघों की संख्या= 9 2. पुनरूद्धारित संघों की लाभ की संख्या 18	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 9 2. 16	संबंधित हिस्सों को प्रदान करने में राज्य सरकार की तत्परता
16	दिल्ली दुग्ध योजना	उपभोक्ताओं को गुणवत्ता दुग्ध और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति करना	1.00	1. दूध की प्राप्ति लाख-912.5 लाख किलोग्राम 2. दूध की बिक्री - 1,478.25 लाख लीटर लाख लीटर 3. घी का उत्पादन= 650 मी0टन 4. टेबल बटर का उत्पादन= 35 मी0 टन	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012		
17	डेयरी उद्यम पूंजीगत कोष/डेयरी उद्यमशीलता विकास	डेयरी में गैर संगठित क्षेत्रों में स्वरोजगार का सृजन करके संरचनात्मक परिवर्तन लाना	88.00	1. योजना मांग आधारित है और नाबार्ड के द्वारा इसका क्रियान्वयन किया गया है।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	31.3.2012 तक 27319 डेयरी इकाइयों की स्थापना के लिए 114.36 करोड़ रूपए की ऋण सहायता दी गई है।	नाबार्ड द्वारा क्रियान्वित।
18.	अंतर्देशीय मात्स्यिकी एवं जलकृषि का विकास	अंतर्देशीय तथा खारा जल जलकृषि, शीतल जल मात्स्यिकी, जलाशयों इत्यादि का विकास	24.00	i. जलकृषि के अंतर्गत लाए गए क्षेत्र= 0.30 लाख है0	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i.0.25 लाख है.	
19	समुद्री मात्स्यिकी, बुनियादी सुविधाएं एवं पोस्ट हार्वेस्ट संचालनों का विकास	बुनियादी सुविधाओं के विकास और सुदृढ़ीकरण के जरिए समुद्री मात्स्यिकी का विकास*	71.00	i. छोटे मत्स्यन बंदरगाहों का निर्माण=2 ii. मछली उतारने वाले केन्द्रों का निर्माण=2 iii. मौजूदा मत्स्यन बंदरगाह और मछली उतारने वाले केन्द्रों की मरम्मत और आधुनिकीकरण=2 iv. बुनियादी सुविधाएं तथा विपणन	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i..1 ii..शून्य iii शून्य iv. 25 v 529 vi.3795	

				सुविधा 20 v. समुद्र में मछुआरों की सुरक्षा (किट की सं0) 900 vi. मोटरीकृत यानों की संख्या 900			
20	राष्ट्रीय मछुआरा कल्याण कार्यक्रम	आधुनिक मछुआरा गांवों का विकास, सक्रिय मछुआरों आदि के लिए सामूहिक दुर्धटना बीमा इत्यादि	39.00	i. बीमा योजना के अंतर्गत शामिल मछुआरों की संख्या= 30 लाखii. मछुआरों के लिए घरों का निर्माण= 6500 iii. बचत-सह-राहत योजना के अंतर्गत शामिल मछुआरों की संख्या= 3.50 लाखiv. प्रशिक्षण एवं जागरूकता केन्द्र की स्थापना - 14v. प्रशिक्षित मछुआरों की संख्या - 6000 vi. स्थापित ट्यूबवैल की संख्या= vii. निर्माण किए गए कम्युनिटी हॉल की संख्या=	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. 38.92 लाख ii. 3,041 iii. 0.43 लाख iv. v. 3400 vi. viii.	
21.	मात्स्यिकी क्षेत्र में डाटाबेस और भौगोलिक सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	मात्स्यिकी सांख्यिकी के गुणवत्ता आकलन के संबंध में डाटाबेस के विकास और रख-रखाव के लिए राज्यों को सुदृढ़ करना ।	10.00	i. अंतर्देशीय और समुद्री मात्स्यिकी का कैच विश्लेषण सर्वेक्षण - सभी राज्य ii. अंतर्देशीय जल निकायों के जीआईएस का विकास – सभी संबंधित राज्य/ संघ शासित प्रदेश iii.समुद्री मत्स्यपालन गणना -सभी राज्य iv छोटे जल निकायों की मैपिंग और	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. सभी राज्य iiविकसित iii. कर दिया गया iv. कर दिया गया	

				जीआइएस आधारित मात्स्यिकी प्रबंधन प्रणाली का विकास- सभी राज्य			
22.	मात्स्यिकी संस्थानों को सहायता		46.00		अप्रैल 2011 से मार्च, 2012		
	(क)केन्द्रीय मात्स्यिकी नौचालन तथा इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान	तटीय स्थापनाओं के लिए तकनीशियनों और मत्स्यन जलयानों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित चालकों को उपलब्ध कराना।	9.00	i. प्रशिक्षित अभ्यार्थी/व्यक्ति= 1,572 ii. समुद्र में दिन=400 दिन iii. मत्स्यन प्रयास=1,800 घंटे iv.संस्थागत प्रशिक्षण दिवस= 2600 दिन v. पोस्ट संस्थागत प्रशिक्षु दिवस=4200 दिन		i 620 ii. 285 iii. 901 iv. 2540 v. 3256	
	(ख)केन्द्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजीनियरिंग संस्थान	मत्स्यन बंदरगाहों और खाराजल जल फार्मों के विकास के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन करना।		i. मत्स्यन बंदरगाह स्थलों की जांच = 2 ii. मात्स्यिकी बंदरगाहों के लिए टी.ई.ई.आर. की तैयारी = 2		1. 2 2. 2	
	(ग) राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी संस्थान	मछली के गैर परंपरागत किस्मों का प्रसंस्करण, प्रचार और जांच विपणन	2.00	i. प्रसंस्कृत मछली की मात्रा (मी.ट.)=150 ii. विपणित मछली उत्पादों की मात्रा (मी.ट.)= 100 iii. प्रशिक्षण दिवसों की संख्या= 8000 iv. विकसित उत्पाद=60 मी0 टन 5. प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की सं0 450		i. 90 ii. 58 iii.2463 iv. 59 v. 171	
	(घ) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण तथा विश्लेषण	35.00	i. जलयानों द्वारा मत्स्यन दिवसों की संख्या=1,986 ii. बाटम और मिड वाटर ट्रालिंग के		i. 519 ii. 1497 iii.101/960	

				लिए नमूना घंटे= 5,295 iii. ट्रूना लांग लाइनिंग के लिए संचालित हुकों की संख्या= 4,03,750 iv. ट्रैप मत्स्यन=1600 v. हैंडलाइन मत्स्यन=3840 vi. बोटम सैट वर्टिकल लाइन=18900 vii. क्रूज के दौरान दिवस=2380 viii. यात्रा की संख्या=130		iv 781 v 51	
23.	राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड	मत्स्यन उत्पादों के उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन में सुधार लाने के उद्देश्य से मात्स्यिकी और जलकृषि से संबंधित सभी क्रियाकलापों को एक छत्र के अंतर्गत लाना।	108.00	i. तालाबों का निर्माण= 800 हैक्टेयर ii. मत्स्य बीज हैचरियां = 30 iii. गोव मत्स्य बीज फार्म और हैचरी का नवीकरण 30 iv. मत्स्य बीज पालन फार्म 300 v. शीत जल मत्स्य वेस (इकाइयां) 300 6.प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या 10200 vii. जलाशयों में बीज स्टॉकिंग=3,77,000 viii घरेलू हैचरियों की स्थापना/मछली घर यूनिट 1000	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i.1072.17 हैक्टेयर ii.12 iii.5 iv.123 हेक्टेयर v.340 vi. 2,6410 vii. 378062 viii. 1064	
24.	सचिवलाय एवं आर्थिक सेवाएं	मुख्यालय में कम्प्यूटरीरकण एवं प्रशिक्षणा	6.50		अप्रैल 2011 से मार्च, 2012		

25.	आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल के आत्महत्या संभावित जिलों के लिए विशेष पशुधन क्षेत्र और मात्स्यिकी पैकेज		98.69	i. शामिल दुधारू पशुओं की संख्या= 93000# ii.बछड़ा पालन (संख्या)= 46500# iii. प्रजनन सेवाएं(सं.)= 26,98,334(कृ.ग.), 14,39,277 (ओ एस)# iv. स्वास्थ्य सेवा(सं.)= 93000# v. दुग्ध प्रशीतन यूनिट (सं.)= 74# vi. आहार एवं चारा आपूर्ति (मी0 टन)= 84,000# vii. चारा ब्लॉक बनाने वाले यूनिट, छोटे आहार मिश्रण प्लांट (सं.)= 7 (एफबीएम), 100 (एफएमपी)# viii. मत्स्य तालाबों का निर्माण(है.)= 3100# ix. कुक्कुट, बकरी, सूअर और भेड़ पालन (संख्या)=	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	. -	
26.	पशु स्वास्थ्य योजना निदेशालय के एवियन इंफ्लूएंजा के लिएवाह्य सहायता घटक	एवियन इंफ्लूएंजा का नियंत्रण और निराकरण	72.20	मांग आधारित। कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं*	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	पश्चिम बंगाल और असम में एवियन इंफ्लूएंजा को सफलतापूर्वक नियमित और निराकरण किया गया।	
27.	छोटे जुगाली करने वाले पशुओं और खरगोशों का एकीकृत विकास	आनुवंशिक उन्नयन, स्वास्थ्य कवर और विपणन पर ध्यान देते हुए छोटे जुगाली करने वाले पशुओं का विकास	12.00	i. सरकारी प्रजनन फार्म = 6 संख्या ii. भेड़ और बकरी फार्म = 1800 रु. iii. वाणिज्यिक यूनिट = 80 सभी का पुनरूद्धार किया गया।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	1. 6 2. 1066 भेड़ और बकरियां विभिन्न राज्यों में नाबार्ड द्वारा मंजूर की गई थीं	

28.	ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना/ आधुनिकीकरण	i. पशुधन के बध की नई प्रणाली की स्थापना ii. ऐसे बूचड़खानों की स्थापना जो 50,000 से कम आबादी वाले ग्रामीण और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में निजी उद्यमकर्ताओं द्वारा चलाये जा सकें। iii. ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मूल्य संबर्धन प्रोत्साहित करना ताकि पशुधन स्वामी उपउत्पादों के उचित उपयोग सहित बेहतर आय प्राप्त कर सकें। iv. शीतचेन का नेटवर्क स्थापित करके बूचड़खानों से उपभोक्ताओं तक मॉस उत्पादन की स्वच्छता का सुनिश्चय और वाणिज्यिक आधार पर वितरण।	3.00	i. ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना (मॉडल-i) (10 संख्या) ii. अर्धशहरी बूचड़खानों की स्थापना (मॉडल-ii) (संख्या 3) iii. बड़े बूचड़खानों की स्थापना (मॉडल-iii) (संख्या 1) iv. उप उत्पाद उपयोगिता संयत्र – (संख्या-2)	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i.शून्य ii.शून्य iii. शून्य iv. शून्य	
29.	सूअर विकास	i. वैज्ञानिक तरीके अपनाकर और अवसंरचना सृजित करके सूअरों के वाणिज्यिक पालनों को प्रोत्साहित करना। ii. उन्नत किस्म के जर्म प्लाजम का उत्पादन और आपूर्ति iii. वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए स्टेकहोल्डर्स को संगठित करना। iv. मीट उद्योग के लिए आपूर्ति चेन सृजित करना। v. बेहतर आय के लिए मूल्यवृद्धि को प्रोत्साहित करना।	5.00	i. सूअर प्रजननफर्म (20एफ+4एम) – 250 संख्या। ii. सूअर पालन यूनिट (3एफ+1एम) – 2500 संख्या। iii. खुदरा आउटलेट – 50 सख्या iv. अद्यतन बाजार के लिए सुविधा – 15 संख्या	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	1 और 2 1635 सूअर पालन और प्रजनन यूनिट 3 शून्य 4 शून्य	

30.	कुक्कुट पूंजीगत उद्यम कोष		50.00	मॉग प्रेरित		इसके अंतर्गत यूनिटों की संख्या 189	
31.	खाद्य सुरक्षा और अनुमार्गणीयता(नई योजना)	पशुओं से बने खाद्यान्नों में प्राथमिक स्तर पर सुरक्षा के लिए विश्वास जगाना	1.00	योजना का क्रियान्वयन प्रारंभिक रूप से एक या दो राज्यों में पायलट चरण में है	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	पशुओं की पहचान के लिए विकसित योजना के लिए एफएओ को निधि प्रदान की गई इसके बाद एक या दो राज्यों में पायलट परीक्षण किए जाएंगे।	
32.	मृत पशुओं की उपयोगिता	i. पर्यावरण प्रदूषण और पशुधन बीमारियों को फैलने से रोकने से बचाना। ii. कंकाल एकत्र करने, चमड़ा उतारने और उप-उत्पाद प्रसंस्करण में कार्यरत ग्रामीण गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करना। iii. समय पर प्राप्ति, अच्छी हैंडलिंग और परिवहन iv. सिविल और रक्षा वायु दुर्घटना को चिडियों से होने वाले खतरों को रोकना	3.00	i. उपयोगिता यूनिट – मॉडल-I (3संख्या) ii. उपयोगिता यूनिट – मॉडल-II(2 संख्या) iii. हड्डी पीसने वाले यूनिट (11 संख्या)	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	1. शून्य 2. शून्य 3. शून्य	
33.	नर भैंस बछड़ों को बचाना और उन्हें पालना	i. मीट उत्पादन के लिए नर भैंस बछड़ों का बचाना और पालना। ii. निर्यात और स्वदेशी बाजार के लिए भैंस मीट की उपलब्धता को बढ़ाना। iii. चमड़ा उद्योग के लिए कच्चे माल के आधार को बढ़ाना। iv. मीट के उपोत्पादों और बोन, टेलो, जैव उर्वरक, ब्रुश, कंघी, बटन इत्यादि की उपलब्धता को बेहतर बनाना। v. भैंस मीट और चमड़ा निर्यात के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जन को सुधारना। vi. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार अवसरों को बढ़ाना।	3.00	i. वैयक्तिक यूनिट 1-9 बछड़े (1.50 लाख संख्या)। ii. वाणिज्यिक यूनिट (10-50 बछड़े) 250 संख्या। iii. आद्योगिक यूनिट (न्यूनतम 1000 बछड़े) – 15 संख्या।	अप्रैल 2011 से मार्च, 2012	i. शून्य ii. शून्य iii. शून्य	राज्य में अलग वध कानून के कारण

34.	पशुधन विस्तार और डिलीवरी सेवाएं		0.01				
	कुल		1600.00				

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

वार्षिक योजना 2013-14 के लिए स्कीमवार प्रस्तावित परिव्यय

(करोड़ रूपए में)

क्र सं0	योजना का नाम	11वीं योजना (2007-12) में अनुमोदित परिव्यय	वास्तविक व्यय (2011-12)	11वीं योजना(2007-12) वास्तविक व्यय	12वीं योजना (2012-17) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना **(2012-13)** प्रत्याशित व्यय	वार्षिक योजना **2013-14**								
							राजस्व	पूंजी	कुल	घरेलू स्रोत	इएपी घटक	पूर्वोत्तर घटक	एससी घटक	**एसटी** घटक	महिला घटक
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**
क	केन्द्रीय क्षेत्र की याजनाएं	**4118.20**	**519.35**	**2113.29**	**6694.00**	**1239.80**	**1459.49**	**33.30**	**1492.80**	**1258.80**	**234.00**	**142.10**	**160.00**		**72.00**
क1	चालू योजनाएं														
1	बाहर से सहायता प्राप्त परियोजना, तैयारी एवियन इंफलयूएंजा का नियंत्रण एवं रोकथाम	**120.00**		**62.93**		**0.07**									
2	पशुधन गणना	**351.60**	**0.08**	**232.43**	**323.00**	**196.37**	155.42		155.42	155.42		18.00	15.00		
3	एकीकृत नमूना सर्वेक्षण	**80.00**	**12.71**	**43.10**	**96.00**	**16.00**	27.00		27.00	27.00		2.90			
4	केन्द्रीय गोपशु विकास संगठन	**105.00**	**21.30**	**90.96**	**146.00**	**28.82**	**29.30**	**0.35**	**29.65**	**29.65**					
4.1	*केन्द्रीय गोपशु प्रजनन फार्म*				*100.00*	*21.00*	20.50		20.50	20.50					
4.2	केन्द्रीय हिमित वीर्य उत्पादन एवं प्रशिक्षण संस्थान				*13.00*	*2.01*	2.30	0.35	2.65	2.65					
4.3	केन्द्रीय झुण्ड पंजीकरण योजना				*33.00*	*5.81*	6.50		6.50	6.50					
5	केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म#	**13.00**	**1.67**	**8.00**		**2.17**	**2.20**		2.20	2.20					

6	केन्द्रीय चारा विकास संगठन	**80.00**	**37.44**	**121.01**		**19.05**	**25.78**		**25.78**	**25.78**					
6.1	क्षेत्रीय चारा उत्पादन और प्रदर्शन केन्द्र					*8.50*	**13.00**		13.00	13.00					
6.2	केन्द्रीय मिनिकिट परीक्षण कार्यक्रम					*8.00*	**10.00**		10.00	10.00					
6.3	केन्द्रीय चारा और बीज उत्पादन					*2.55*	**2.78**		2.78	2.78					
7	केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन#	**50.00**	**14.29**	**52.38**		**19.95**	**20.00**		**20.00**	**20.00**					
7.1	सीपीडीओ					*18.68*	**18.50**		18.50	18.50					
7.2	सीपीपीटीसी					*1.27*	**1.50**		1.50	1.50					
8	छोटे जुगाली करने वाले पशुओं और खरगोशों का एकीकृत विकास#	**190.00**	**10.16**	**20.95**		**15.01**	**20.00**		20.00	20.00		2.00			4.00
9	सूअर विकास#	**150.00**	**7.04**	**8.54**		**10.00**	**12.00**		12.00	12.00		6.00			2.00
10	नर भैंस बछड़ों का बचाना एवं पालन करना	**300.00**		**1.92**		**0.01**	**0.01**		0.01	0.01					
11	कुक्कुट उद्यम पूंजीगत कोष#	**200.00**	**8.56**	**50.25**		**17.50**	**40.00**		40.00	40.00		4.00			6.00
12	पशु स्वास्थ्य निदेशालय	**92.60**	**15.34**	**56.67**	**115.00**	**22.32**	**23.00**		**23.00**	**23.00**		**1.00**			
12.1	केन्द्रीय/क्षेत्रीय बीमारी नैदानिक प्रयोजशालाएं				*40.00*	*8.50*	7.00		7.00	7.00		1.00			
12.2	पशु चिकित्सा जैविक उत्पाद गुणवत्ता नियंत्रण केन्द्र				*30.00*	*3.92*	6.00		6.00	6.00					
12.3	पशु संगरोध एवं प्रमाणीकरण सेवाएं				*45.00*	*9.90*	10.00		10.00	10.00					
13	खाद्य सुरक्षा और पहचान	**50.00**	**1.10**	**1.10**	**20.00**	**0.04**	5.00		5.00	5.00					

14	दिल्ली दुग्ध योजना	**5.00**	**0.99**	**4.49**	**25.00**	**2.00**	25.00		25.00	25.00					
15	डेयरी उद्यमशीलता विकास योजना	**300.00**	**110.00**	**247.39**	**1400.00**	**440.00**	600.00		600.00	600.00		85.50	120.00		60.00
16	राष्ट्रीय डेयरी योजना		**4.00**	**4.00**	**1756.00**	**130.00**	260.00		260.00	26.00	234.00				
17	सहकारिताओं को सहयोग##	**50.00**	**9.00**	**42.35**		**10.00**	**10.00**		**10.00**	**10.00**					
18	मत्स्यपालन क्षेत्र की डाटाबेस एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	**25.00**	**4.27**	**27.20**	**65.00**	**6.50**	6.50		6.50	6.50		0.70			
19	मात्स्यिकी संस्थानों को सहायता	**371.00**	**43.19**	**209.41**	**218.00**	**65.34**	**57.26**	**22.95**	**80.21**	**80.21**					
19.1	मात्स्यिकी नौचालन और इंजीनियरिंग प्रशिक्षण का केन्द्रीय संस्थान	*60.00*	*8.33*	*30.93*	*70.00*	*14.32*	7.06	19.25	26.31	26.31					
19.2	राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्टहार्वेस्ट, प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान(निफेट)	*10.00*	*1.76*	*8.62*	*14.00*	*2.40*	2.35		2.35	2.35					
19.3	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (एफएसआई)	*300.00*	*33.10*	*169.53*	*134.00*	*48.62*	47.85	3.70	51.55	51.55					
19.4	केन्द्रीय मत्स्यपालन तटीय इंजीनियरिंग संस्थान	*1.00*		*0.33*											
20	राष्ट्रीय मत्स्यपालन विकास बोर्ड	**1550.00**	**213.58**	**804.10**	**1880.00**	**230.65**	134.00	10.00	144.00	144.00		22.00	25.00		
21	सचिवालय एवं आर्थिक सेवाएं	**35.00**	**4.63**	**24.11**	**35.00**	**7.00**	7.00		7.00	7.00					
A2	नई योजनाएं				**615.00**	**1.01**	**0.03**		**0.03**	**0.03**					
22	पशुचिकित्सालय ड्रग निपंत्रण प्राधिकरण				***10.00***	***0.01***	0.01		0.01	0.01					

	की स्थापना														
23	पशु चिकित्सा कॉलेजों की अवसंरचना का उन्नयन एवं सुदृढीकरण$$				***5.00***	***1.00***	0.01		0.01	0.01					
24	राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम)				***600.00***		0.01		0.01	0.01					
ख	केन्द्रीय प्रायोजित योजना	**4055.80**	**723.76**	**2757.24**	**7485.00**	**981.02**	**1532.20**		**1532.20**	**1532.20**		**156.90**	**330.00**		**60.25**
ख1	चालू योजनाएं														
1	राष्ट्रीय पशु और भैंस प्रजनन योजना##	**554.00**	**151.91**	**526.85**		**170.26**	**79.99**		**79.99**	**79.99**		**13.00**	**22.00**		
2	राष्ट्रीय बोवाइन प्रजनन कार्यक्रम##					**0.03**	**100.00**		**100.00**	**100.00**		**15.00**	**25.00**		
3	डेयरी विकास परियोजनाएं##	**225.00**	**72.22**	**278.08**		**100.00**	**100.00**		**100.00**	**100.00**		**15.00**	**32.00**		**11.00**
3.1	*सघन डेयरी विकास परियोजना*	*225.00*	*72.22*	*278.08*		*63.00*	55.00		55.00	55.00		11.00	18.00		6.00
3.2	स्वच्छ दूध उत्पादन					*37.00*	45.00		45.00	45.00		4.00	14.00		5.00
4	पशुधन स्वास्थ्य एवं बीमारी नियंत्रण (एलएचएंडडीसी)	**1300.00**	**331.95**	**1049.06**	**3114.00**	**421.72**	**578.70**		**578.70**	**578.70**		**24.90**	**89.00**		**1.00**
4.1	पशुओं के रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता		*70.80*	*446.18*	*550.00*	*86.00*	110.00		110.00	110.00		11.00	20.00		1.00
4.2	राष्ट्रीय पशु प्लेग उन्मूलन परियोजना		*3.50*	*20.02*	*25.00*	*4.41*	5.00		5.00	5.00		0.50	1.00		
4.3	व्यसायिक कुशलता विकास		*4.53*	*20.07*	*25.00*	*6.00*	5.00		5.00	5.00		0.50	1.00		
4.4	मुंहपका एवं खुरपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम		*105.96*	*246.93*	*1744.00*	*189.95*	300.00		300.00	300.00			55.00		

4.5	विद्यमान पशुचिकित्सा अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों की स्थापना एवं उन्हें सुदृढ करना		*98.71*	*195.68*	*300.00*	*90.97*	82.00		82.00	82.00		10.00			
4.6	पीपीआर का राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम		*3.31*	*30.70*	*180.00*	*10.00*	48.00		48.00	48.00			10.00		
4.7	ब्रूसेल्स का राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम		*11.82*	*20.03*	*200.00*	*8.00*	12.00		12.00	12.00		1.20	2.00		
4.8	राष्ट्रीय पशुरोग रिपोर्टिंग प्रणाली		*33.32*	*69.45*	*80.00*	*26.39*	16.69		16.69	16.69		1.70			
4.9	*सीएसएफ के लिए राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम (नई प्रस्तावित योजना)*				*10.00*		0.01		0.01	0.01					
5	कुक्कुट विकास#	**141.00**	**36.69**	**124.20**		**44.35**	**90.00**		**90.00**	**90.00**		**10.80**	**12.00**		**8.00**
5.1	*क)राज्य कुक्कुट/बतख फार्म को सहायता*		*8.12*	*49.77*		*2.90*	30.00		30.00	30.00		4.00	2.50		
5.2	ख)ग्रामीण घरेलू कुक्कुट विकास		*28.49*	*67.39*		*40.00*	52.00		52.00	52.00		5.80	8.00		8.00
5.3	ग)कुक्कुट सम्पदा की स्थापना		*0.08*	*7.04*		*1.45*	8.00		8.00	8.00		1.00	1.50		
6	मृत पशुओं का उपयोग#	**75.00**				**0.01**	**0.05**		**0.05**	**0.05**					
7	संकटापन्न पशुधन नस्लों का संरक्षण#	**45.00**	**2.04**	**10.29**		**1.00**	**1.35**		**1.35**	**1.35**		**0.20**			
8	आहार एवं चारा विकास योजना#	**141.40**	**32.51**	**104.53**		**99.70**	**191.00**		**191.00**	**191.00**		**23.00**	**56.00**		33.25
9	पशुधन बीमा#	**149.40**	**38.09**	**107.71**		**55.00**	**130.00**		**130.00**	**130.00**		**16.00**	**32.00**		
10	पशुधन विस्तार और सुपुर्दगी सेवाएं	**15.00**				**0.01**	**0.04**		**0.04**	**0.04**					

11	ग्रामीण पशुवध गृहों की स्थापना /आधुनीकीकरण जिसमें चल पशुवध भी शामिल है	**240.00**		**0.20**		**0.01**	**0.04**		**0.04**	**0.04**					
12	पशुधन प्रबंधन#					**0.01**									
13	राष्ट्रीय मछुआरा कल्याण योजना	**180.00**	**44.56**	**169.26**	**320.00**	**45.00**	70.00		70.00	70.00		16.00	15.00		7.00
14	अन्तर्देशीय मात्स्यिकी और जलकृषि का विकास**$**	**350.00**					52.00		52.00	52.00		13.00	12.00		
15	समुद्री मात्स्यिकी अवसरंचना और पोस्टहार्वेस्ट परिचालन का विकास$	**300.00**					104.00		104.00	104.00		10.00	23.00		
16	केरल के इदुक्की और कुट्टानाड जिला के लिए विशेष पशुधन और मात्स्यिकी क्षेत्र के लिए पैकेज	**340.00**	**13.79**	**387.06**	**51.00**	**43.92**	35.00		35.00	35.00			12.00		
B2	नई योजनाएं				4000.00		0.03		0.03	0.03					
17	राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम**)**				**2200.00**		0.02		0.02	0.02					
18	बोवाइन प्रजाति और डेयरी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीबीबीडी)				**1800.00**		0.01		0.01	0.01					
	कुल (क+ख)	**8174.00**	**1243.11**	**4870.53**	**14179.00**	**2220.82**	**2991.69**	**33.30**	**3025.00**	**2791.00**	**234.00**	**299.00**	**490.00**		**132.25**

#: इएफसी/सीसीइए नोट के अनुमोदन के बाद योजना को प्रस्तावित मिशन राष्ट्रीय पशुधन मिशन में मिला दिया जाएगा

$: इएफसी/सीसीइए नोट के संशोधन के बाद योजना को राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में मिला दिया जाएगा

##: इएफसी/सीसीइए नोट के अनुमोदन के बाद योजना को बोवाइन प्रजाति और डेयरी के राष्ट्रीय कार्यक्रम में मिला दिया जाएगा

$$: योजना को संशोधित योजना पशुधन स्वास्थ्य और बीमारी नियंत्रण में मिला दिया जाएगा

अनुबंध 2.1

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

वार्षिक योजना (2013-14) घरेलू स्रोतों द्वारा पूर्णरूपेण वित्त पोषित कार्यक्रम/परियोजनाओं का ब्यौरा

(करोड़ रूपए में)

क्र सं0	योजना का नाम	11वीं योजना (2007-12) में अनुमोदित परिव्यय	वास्तविक व्यय (2011-12)	11वीं योजना(2007-12) वास्तविक व्यय	12वीं योजना (2012-17) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना **(2012-13)** प्रत्याशित व्यय	वार्षिक योजना **2013-14**

							राजस्व	पूंजी	कुल	घरेलू स्रोत	इएपी घटक	पूर्वोत्तर घटक	SC घटक	**ST** घटक	महिला घटक
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**
क	केन्द्रीय क्षेत्र की याजनाएं	**3818.20**	**515.35**	**2107.37**	**4938.00**	**1109.80**	**1199.49**	**33.30**	**1232.79**	**1232.79**		**142.10**	**160.00**		**72.00**
क1	चालू योजनाएं														
1	बाहर से सहायता प्राप्त परियोजना, तैयारी एवियन इंफलयूएंजा का नियंत्रण एवं रोकथाम	**120.00**		**62.93**		**0.07**									
2	पशुधन गणना	**351.60**	**0.08**	**232.43**	**323.00**	**196.37**	155.42		155.42	155.42		18.00	15.00		
3	एकीकृत नमूना सर्वेक्षण	**80.00**	**12.71**	**43.10**	**96.00**	**16.00**	27.00		27.00	27.00		2.90			
4	केन्द्रीय गोपशु विकास संगठन	**105.00**	**21.30**	**90.96**	**146.00**	**28.82**	**29.30**	**0.35**	**29.65**	**29.65**					
4.1	*केन्द्रीय गोपशु प्रजनन फार्म*				*100.00*	*21.00*	20.50		20.50	20.50					
4.2	केन्द्रीय हिमित वीर्य उत्पादन एवं प्रशिक्षण संस्थान				*13.00*	*2.01*	2.30	0.35	2.65	2.65					
4.3	केन्द्रीय झुण्ड पंजीकरण योजना				*33.00*	*5.81*	6.50		6.50	6.50					
5	केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म#	**13.00**	**1.67**	**8.00**		**2.17**	**2.20**		2.20	2.20					
6	केन्द्रीय चारा विकास संगठन	**80.00**	**37.44**	**121.01**		**19.05**	**25.78**		**25.78**	**25.78**					
6.1	क्षेत्रीय चारा उत्पादन और प्रदर्शन केन्द्र					*8.50*	**13.00**		13.00	13.00					
6.2	केन्द्रीय मिनिकिट परीक्षण कार्यक्रम					*8.00*	**10.00**		10.00	10.00					

6.3	केन्द्रीय चारा और बीज उत्पादन					*2.55*	**2.78**		2.78	2.78					
7	केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन#	**50.00**	**14.29**	**52.38**		**19.95**	**20.00**		**20.00**	**20.00**					
7.1	सीपीडीओ					*18.68*	**18.50**		18.50	18.50					
7.2	सीपीपीटीसी					*1.27*	**1.50**		1.50	1.50					
8	छोटे जुगाली करने वाले पशुओं और खरगोशों का एकीकृत विकास#	**190.00**	**10.16**	**20.95**		**15.01**	**20.00**		20.00	20.00		2.00			4.00
9	सूअर विकास#	**150.00**	**7.04**	**8.54**		**10.00**	**12.00**		12.00	12.00		6.00			2.00
10	नर भैंस बछड़ों का बचाना एवं पालन करना	**300.00**		**1.92**		**0.01**	**0.01**		0.01	0.01					
11	कुक्कुट उद्यम पूंजीगत कोष#	**200.00**	**8.56**	**50.25**		**17.50**	**40.00**		40.00	40.00		4.00			6.00
12	पशु स्वास्थ्य निदेशालय	**92.60**	**15.34**	**56.67**	**115.00**	**22.32**	**23.00**		**23.00**	**23.00**		**1.00**			
12.1	केन्द्रीय/क्षेत्रीय बीमारी नैदानिक प्रयोगशालाएं				*40.00*	*8.50*	7.00		7.00	7.00		1.00			
12.2	पशु चिकित्सा जैविक उत्पाद गुणवत्ता नियंत्रण केन्द्र				*30.00*	*3.92*	6.00		6.00	6.00					
12.3	पशु संगरोध एवं प्रमाणीकरण सेवाएं				*45.00*	*9.90*	10.00		10.00	10.00					
13	खाद्य सुरक्षा और पहचान	**50.00**	**1.10**	**1.10**	**20.00**	**0.04**	5.00		5.00	5.00					
14	दिल्ली दुग्ध योजना	**5.00**	**0.99**	**4.49**	**25.00**	**2.00**	25.00		25.00	25.00					
15	डेयरी उद्यमशीलता विकास योजना	**300.00**	**110.00**	**247.39**	**1400.00**	**440.00**	600.00		600.00	600.00		85.50	120.00		60.00
16	सहकारिताओं को सहयोग##	**50.00**	**9.00**	**42.35**		**10.00**	**10.00**		**10.00**	**10.00**					

17	मत्स्यपालन क्षेत्र की डाटाबेस एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	**25.00**	**4.27**	**27.20**	**65.00**	**6.50**	6.50		6.50	6.50		0.70			
18	मात्स्यिकी संस्थानों को सहायता	**371.00**	**43.19**	**209.41**	**218.00**	**65.34**	**57.26**	**22.95**	**80.21**	**80.21**					
18.1	मात्स्यिकी नौचालन और इंजीनियरिंग प्रशिक्षण का केन्द्रीय संस्थान	*60.00*	*8.33*	*30.93*	*70.00*	*14.32*	7.06	19.25	26.31	26.31					
18.2	राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्टहार्वेस्ट, प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान(निफेट)	*10.00*	*1.76*	*8.62*	*14.00*	*2.40*	2.35		2.35	2.35					
18.3	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (एफएसआई	*300.00*	*33.10*	*169.53*	*134.00*	*48.62*	47.85	3.70	51.55	51.55					
18.4	केन्द्रीय मत्स्यपालन तटीय इंजीनियरिंग संस्थान	*1.00*		*0.33*											
19	राष्ट्रीय मत्स्यपालन विकास बोर्ड	**1550.00**	**213.58**	**804.10**	**1880.00**	**230.65**	134.00	10.00	144.00	144.00		22.00	25.00		
20	सचिवालय एवं आर्थिक सेवाएं	**35.00**	**4.63**	**24.11**	**35.00**	**7.00**	7.00		7.00	7.00					
क2	नई योजनाएं				**615.00**	**1.01**	**0.03**		**0.03**	**0.03**					
21	पशुचिकित्सालय ड्रग निपंत्रण प्राधिकरण की स्थापना				***10.00***	***0.01***	0.01		0.01	0.01					
22	पशु चिकित्सा कॉलेजों की अवसंरचना का उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण$$				***5.00***	***1.00***	0.01		0.01	0.01					
23	राष्ट्रीय पशुधन				***600.00***		0.01		0.01	0.01					

	मिशन (एनएलएम														
ख	केन्द्रीय प्रायोजित योजना	**4055.80**	**723.76**	**2757.24**	**7485.00**	**981.02**	**1532.20**		**1532.20**	**1532.20**		**156.90**	**330.00**		**60.25**
ख1	चालू योजनाएं														
1	राष्ट्रीय पशु और भैंस प्रजनन योजना##	**554.00**	**151.91**	**526.85**		**170.26**	**79.99**		**79.99**	**79.99**		**13.00**	**22.00**		
2	राष्ट्रीय बोवाइन प्रजनन कार्यक्रम##					**0.03**	**100.00**		**100.00**	**100.00**		**15.00**	**25.00**		
3	डेयरी विकास परियोजनाएं##	**225.00**	**72.22**	**278.08**		**100.00**	**100.00**		**100.00**	**100.00**		**15.00**	**32.00**		**11.00**
3.1	*सघन डेयरी विकास परियोजना*	*225.00*	*72.22*	*278.08*		*63.00*	55.00		55.00	55.00		11.00	18.00		6.00
3.2	स्वच्छ दूध उत्पादन					*37.00*	45.00		45.00	45.00		4.00	14.00		5.00
4	पशुधन स्वास्थ्य एवं बीमारी नियंत्रण (एलएचएंडडीसी)	**1300.00**	**331.95**	**1049.06**	**3114.00**	**421.72**	**578.70**		**578.70**	**578.70**		**24.90**	**89.00**		**1.00**
4.1	पशुओं के रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता		*70.80*	*446.18*	*550.00*	*86.00*	110.00		110.00	110.00		11.00	20.00		1.00
4.2	राष्ट्रीय पशु प्लेग उन्मूलन परियोजना		*3.50*	*20.02*	*25.00*	*4.41*	5.00		5.00	5.00		0.50	1.00		
4.3	व्यसायिक कुशलता विकास		*4.53*	*20.07*	*25.00*	*6.00*	5.00		5.00	5.00		0.50	1.00		
4.4	मुंहपका एवं खुरपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम		*105.96*	*246.93*	*1744.00*	*189.95*	300.00		300.00	300.00			55.00		
4.5	विद्यमान पशुचिकित्सा अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों की स्थापना एवं उन्हें सुदृढ़ करना		*98.71*	*195.68*	*300.00*	*90.97*	82.00		82.00	82.00		10.00			
4.6	पीपीआर का राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम		*3.31*	*30.70*	*180.00*	*10.00*	48.00		48.00	48.00			10.00		
4.7	ब्रूसेल्स का राष्ट्रीय		*11.82*	*20.03*	*200.00*	*8.00*	12.00		12.00	12.00		1.20	2.00		

	नियंत्रण कार्यक्रम														
4.8	राष्ट्रीय पशुरोग रिपोर्टिंग प्रणाली		*33.32*	*69.45*	*80.00*	*26.39*	16.69		16.69	16.69		1.70			
4.9	*सीएसएफ के लिए राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम (नई प्रस्तावित योजना)*				*10.00*		0.01		0.01	0.01					
5	कुक्कुट विकास#	**141.00**	**36.69**	**124.20**		**44.35**	**90.00**		**90.00**	**90.00**		**10.80**	**12.00**		**8.00**
5.1	*क)राज्य कुक्कुट/बतख फार्म को सहायता*		*8.12*	*49.77*		*2.90*	30.00		30.00	30.00		4.00	2.50		
5.2	ख)ग्रामीण घरेलू कुक्कुट विकास		*28.49*	*67.39*		*40.00*	52.00		52.00	52.00		5.80	8.00		8.00
5.3	ग)कुक्कुट सम्पदा की स्थापना		*0.08*	*7.04*		*1.45*	8.00		8.00	8.00		1.00	1.50		
6	मृत पशुओं का उपयोग#	**75.00**				**0.01**	**0.05**		**0.05**	**0.05**					
7	संकटापन्न पशुधन नस्लों का संरक्षण#	**45.00**	**2.04**	**10.29**		**1.00**	**1.35**		**1.35**	**1.35**		**0.20**			
8	आहार एवं चारा विकास योजना#	**141.40**	**32.51**	**104.53**		**99.70**	**191.00**		**191.00**	**191.00**		**23.00**	**56.00**		33.25
9	पशुधन बीमा#	**149.40**	**38.09**	**107.71**		**55.00**	**130.00**		**130.00**	**130.00**		**16.00**	**32.00**		
10	पशुधन विस्तार और सुपुर्दगी सेवाएं	**15.00**				**0.01**	**0.04**		**0.04**	**0.04**					
11	ग्रामीण पशुवध गृहों की स्थापना /आधुनीकीकरण जिसमें चल पशुवध भी शामिल है	**240.00**		**0.20**		**0.01**	**0.04**		**0.04**	**0.04**					
12	पशुधन प्रबंधन#					**0.01**									
13	राष्ट्रीय मछुआरा कल्याण योजना	**180.00**	**44.56**	**169.26**	**320.00**	**45.00**	70.00		70.00	70.00		16.00	15.00		7.00

14	अन्तर्देशीय मात्स्यिकी और जलकृषि का विकास**$**	**350.00**					52.00		52.00	52.00		13.00	12.00		
15	समुद्री मात्स्यिकी अवसरंचना और पोस्टहार्वेस्ट परिचालन का विकास$	**300.00**					104.00		104.00	104.00		10.00	23.00		
16	केरल के इदुक्की और कुट्टानाड जिला के लिए विशेष पशुधन और मात्स्यिकी क्षेत्र के लिए पैकेज	**340.00**	**13.79**	**387.06**	**51.00**	**43.92**	35.00		35.00	35.00			12.00		
B2	नई योजनाएं				4000.00		0.03		0.03	0.03					
17	राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम**)**				**2200.00**		0.02		0.02	0.02					
18	बोवाइन प्रजाति और डेयरी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीबीबीडी)				**1800.00**		0.01		0.01	0.01					
	कुल (क+ख)	**7874.00**	**1239.11**	**4864.61**	**12423.00**	**2090.82**	**2731.69**	**33.30**	**2764.99**	**2764.99**		**299.00**	**490.00**		**132.25**

#: इएफसी/सीसीइए नोट के अनुमोदन के बाद योजना को प्रस्तावित मिशन राष्ट्रीय पशुधन मिशन में मिला दिया जाएगा

$: इएफसी/सीसीइए नोट के संशोधन के बाद योजना को राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में मिला दिया जाएगा

##: इएफसी/सीसीइए नोट के अनुमोदन के बाद योजना को बोवाइन प्रजाति और डेयरी के राष्ट्रीय कार्यक्रम में मिला दिया जाएगा

$$: योजना को संशोधित योजना पशुधन स्वास्थ्य और बीमारी नियंत्रण में मिला दिया जाएगा

अनुबंध 2.2

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

वार्षिक योजना 2013-14: बाह्य सहायताप्राप्त योजनाएं कार्यक्रम/परियोजनाएं

(करोड रूपए में)

क्र सं0	योजना का नाम	11वीं योजना (2007-12) में अनुमोदित परिव्यय	वास्तविक व्यय (2011-12)	11वीं योजना(2007-12) वास्तविक व्यय	12वीं योजना (2012-17) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना **(2012-13)** प्रत्याशित व्यय	वार्षिक योजना 2013-14								
							वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**	वार्षिक योजना **2013-14**
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**
क	केन्द्रीय क्षेत्र की याजनाएं	**120.00**	**4.00**	**66.93**	**1756.00**	**130.07**	**260.00**		**260.00**	**26.00**	**234.00**				
1	बाहर से सहायता प्राप्त परियोजना, तैयारी एवियन इंफलयूएंजा का नियंत्रण एवं रोकथाम	**120.00**		**62.93**		**0.07**									
2	राष्ट्रीय डेयरी योजना		**4.00**	**4.00**	**1756.00**	**130.00**	260.00		260.00	26.00	234.00				

अनुबंध 2.3 एवं 2.4

12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-13 से 2016-17) के लिए आंतरिक और बाह्य बजटीय संसाधनों के अनुमान और ग्याहरवीं पंचवर्षीय योजना में कार्य निष्पादन।

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

लागू नहीं

अनुबंध - 2.6

वार्षिक योजना (2013-14) योजनाओं/हटाए गए कार्यक्रमों/शामिल किए गए/स्थानांतरित किए गए कार्यक्रमों की सूची

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

(करोड़ रूपए में)

क्र.सं.	विवरण	योजना की प्रकृति और स्थिति	प्रारंभ करने का वर्ष	अनुमानित लागत	11वीं योजना (2007-12) अनुमोदित परिव्यय	11वीं योजना (2007-12) वास्तविक व्यय	वार्षिक योजना (2012-13) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना (2012-13) प्रत्याशित व्यय	टिप्पणी (समाप्त किए हुए/ विलय किए गए/स्थानांतरित किए गए)
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
1	केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म	सीएस		13.00	13.00	8.00	2.10	2.17	प्रस्तावित राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) के अंतगर्त योजना का विलय कर दिया गया है।
2	केन्द्रीय चारा विकास संगठन	सीएस		80.00	80.00	121.01	25.55	19.05	
3	केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन	सीएस		50.00	50.00	52.38	20.00	19.95	
4	छोटे जुगाली करने वाले पशुओं और खरगोशों का एकीकृत विकास	सीएस		190.00	190.00	20.95	15.00	15.01	
5	सूअर विकास	सीएस		150.00	150.00	8.54	10.00	10.00	
6	नर भैंस बछड़ों का बचाना एवं पालन करना	सीएस		300.00	300.00	1.92	0.01	0.01	
7	कुक्कुट उद्यम पूंजीगत कोष	सीएस		200.00	200.00	50.25	30.00	17.50	
8	कुक्कुट विकास	सीएसएस		141.00	141.00	124.20	52.50	44.35	
9	मृत पशुओं का उपयोग	सीएसएस		75.00	75.00	0.00	0.01	0.01	
10	संकटापन्न पशुधन नस्लों का संरक्षण	सीएसएस		45.00	45.00	10.29	1.00	1.00	
11	आहार एवं चारा विकास योजना	सीएसएस		141.40	141.40	104.53	50.00	99.70	
12	पशुधन बीमा	सीएसएस		149.40	149.40	107.71	50.00	55.00	
13	पशुधन विस्तार एवं सुपुदर्गी सेवाएं	सीएसएस		15.00	15.00	0.00	0.01	0.01	
14	ग्रामीण पशुवध गृहों की स्थापना /आधुनीकीकरण जिसमें चल पशुवध भी शामिल है	सीएसएस		240.00	240.00	0.20	0.01	0.01	

15	पशुधन प्रबंधन	सीएसएस					1.00	0.01	
16	गोपशु और भैंस प्रजनन की राष्ट्रीय परियोजना	सीएसएस		554.00	554.00	526.85	180.39	170.26	प्रस्तावित राष्ट्रीय बोवाइन प्रजनन और डेयरी (एनपीबीबीडी) कार्यक्रम के अन्तर्गत योजनाओं का विलय कर दिया गया है।
17	बोवाइन प्रजाति का राष्ट्रीय कार्यक्रम	सीएसएस					0.50	0.03	
18	सघन डेयरी विकास योजना	सीएसएस					55.00	63.00	
19	स्वच्छ दूध उत्पादन	सीएसएस		225.00	225.00	278.08	45.00	37.00	
20	सहकारिताओं को सहयोग	सीएस		50.00	50.00	42.35	10.00	10.00	
21	अन्तर्देशीय मात्स्यिकी और जलकृषि का विकास	सीएसएस		350.00	350.00	99.98	40.00	32.65	राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) में योजनाओं का विलय कर दिया गया है।
22	समुद्री मात्स्यिकी अवसरंचना और पोस्टहार्वेस्ट परिचालन का विकास$	सीएसएस		300.00	300.00	306.92	80.00	88.00	
23	बाहर से सहायता प्राप्त परियोजना, तैयारी एवियन इंफलयूएंजा का नियंत्रण एवं रोकथाम	सीएस							योजना समाप्त कर दी गई है।

अनुबंध - 2.7

वार्षिक योजना (2013-14): विकासवार योजना परिव्यय का शीर्ष

मंत्रालय/विभाग का नाम : पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

(करोड़ रूपए में)

विकास शीर्ष	सभी राज्यों और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए आबंटन						
	11वीं योजना (2007-12) अनुमोदित परिव्यय	11वीं योजना (2007-12) वास्तविक व्यय	वार्षिक योजना (2011-12) वास्तविक व्यय	12वीं योजना (2012-17) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना (2012-13) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना (2012-13) प्रत्याशित परिव्यय	वार्षिक योजना (2013-14) प्रस्तावित परिव्यय
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
12403- पशुपालन	4783.00	2793.66	657.09	6680.00	1065.00	1080.40	1313.79
12404 – डेयरी विकास	580.00	514.63	177.60	4981.00	351.00	603.00	1009.50
12405 – मात्स्यिकी	2776.00	1105.74	278.45	2483.00	299.70	312.74	395.71
13451 – सचिवालय और आर्थिक सेवाएं	35.00	24.11	4.63	35.00	7.00	7.00	7.00
22552 – एनइआर		432.39	125.34		187.30	217.69	299.00
कुल	**8174.00**	**4870.53**	**1243.11**	**14179.00**	**1910.00**	**2220.83**	**3025.00**

Annex - 2.8

वार्षिक योजना (2013-14): सारांश विवरण

मंत्रालय/विभाग का नाम : पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

(करोड़ रूपए में)

	11वीं योजना (2007-12) अनुमोदित परिव्यय	11वीं योजना (2007-12) वास्तविक व्यय	वार्षिक योजना (2011-12) वास्तविक व्यय	12वीं योजना (2012-17) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना (2012-13) अनुमोदित परिव्यय	वार्षिक योजना (2012-13) प्रत्याशित परिव्यय	वार्षिक योजना (2013-14) प्रस्तावित परिव्यय
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	
क. घरेलू बजटीय सहायता	**8054.00**	**4803.60**	**1239.11**	**12595.00**	**1719.80**	**2102.76**	**2791.00**
ख. बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं (इएपी)	**120.00**	**66.93**	**4.00**	**1584.00**	**190.20**	**118.07**	**234.00**
ग. सकल बजटीय सहायता (क + ख)	**8174.00**	**4870.53**	**1243.11**	**14179.00**	**1910.00**	**2220.83**	**3025.00**
घ. आईइबीआर	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
इ. कुल योगा (ग+घ)	**8174.00**	**4870.53**	**1243.11**	**14179.00**	**1910.00**	**2220.83**	**3025.00**

अनुबंध 6.1

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग (डीएडीएफ)

11वीं योजना परिव्यय/वास्तविक व्यय और 12वीं योजना (2012-17) और टीएसपी के अन्तर्गत वार्षिक योजना-परिव्यय और व्यय

क्र0 सं0	सेक्टर का नाम	11वीं योजना			वार्षिक योजना 2011-12			12वीं योजना (2012-17)		वार्षिक योजना 2012-13			वार्षिक योजना 2013-14	
		कुल परि व्यय	टीएसपी	कुल वास्तविक व्यय	कुल परिव्यय	टीएसपी	टीएसपी के अन्तर्गत वास्तविक व्यय	कुल अनुमोदित परिव्यय	टीएसपी के अन्तर्गत अनुमानित व्यय	कुल परिव्यय	टीएसपी	टीएसपी के अन्तर्गत कुल प्रत्याशित परिव्यय	कुल परिव्यय	टीएसपी के अन्तर्गत प्रस्तावित परिव्यय
1	डीएडीएफ	योजना विभाग द्वारा दिनांक 15.12.2010. के पत्र संख्या 11016/12 (1)/2009-पीसी के द्वारा विभाग को छूट दी गई है।												

अनुबंध 6.2

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग (DADF)

11वीं योजना परिव्यय/वास्तविक व्यय और 12वीं योजना (2012-17) और एससीएसपी के अन्तर्गत वार्षिक योजना-परिव्यय और व्यय

क्र0सं0	सेक्टर का नाम	11वीं योजना			वार्षिक योजना 2011-12			12वीं योजना (2012-17)		वार्षिक योजना 2012-13			वार्षिक योजना 2013-14	
		कुल परिव्यय	एससी एसपी	कुल वास्तविक व्यय	कुल परिव्यय	एससी एसपी	एससीएसपी के अन्तर्गत वास्तविक व्यय	कुल अनुमोदित परिव्यय	एससीएसपी के अन्तर्गतअनुमोदित परिव्यय	कुल परिव्यय	एससी एसपी	एससीएसपी के अन्तर्गत कुल प्रत्याशित व्यय	कुल परिव्यय	एससीएसपी के अन्तर्गत प्रस्तावित परिव्यय
1	डीएडीएफ	8174.00	259.20	144.29	1600.00	259.20	144.29	14179.00	2297.00	1910.00	309.00	309.00	3025.00	490.00